RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:223 ता. 18 फरवरी 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

बिहार के 4 जिलों में मूर्ति विसर्जन के दौरान जबरदस्त बवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार के 4 जिलों में सरस्वती मूर्ति विसर्जन के दौरान बवाल हुआ है। भागलपुर, दरभंगा, सहरसा और सीतामढ़ी में पथराव हुआ है। दरभंगा में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार देर शाम मूर्ति विसर्जन जुलूस पर पथराव हो गया जिसमें करीब 18 से ज्यादा

लोग घायल हैं। भागलपुर में भी शुक्रवार देर शाम कई दुकानों में तोड़फोड़ की गई। यहां झड़प में करीब 6 लोग घायल हो गए। फायरिंग की भी खबर है। सहरसा में भी विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में झड़प हुई। इसमें एक महिला समेत कई लोग घायल हैं।

बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ पत्नी को उतारेंगे अजित!

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र के बारामती में काफी दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। यहां भाई अजित पवार अपनी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ पत्नी सुनेत्रा को मैदान में उतार सकते हैं। हालांकि, अभी उन्होंने सुनेत्रा के नाम का ऐलान

नहीं किया है, लेकिन सुनेत्रा के नाम के पोस्टर बारामती क्षेत्र में लगाए जाने लगे हैं, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। पोस्टर में अजित पवार के साथ पत्नी सुनेत्रा के फोटो है। जिस पर दोनों का नाम है। साथ ही लिखा है- क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का वादा किया गया है। वहीं अजित पवार के बयान पर पवार की नेता सुप्रिया सुले ने कहा, यह लोकतंत्र है हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है।

झारखंड में शुरू हुआ कुर्सी के लिए 'खेला', नाराजगी

रांची (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) प्रमुख शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन ने सात अन्य विधायकों के साथ शुक्रवार को चंपई सोरेन के नेतृत्व में बनी नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। बसंत सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई हैं। हेमंत सोरेन कथित भूमि घोटाले के मामले में फिलहाल जेल में हैं।

दरअसल, शुक्रवार को झारखंड के 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों को शामिल किया गया है, उनमें जेएमएम के चाईबासा से विधायक दीपक बिरुआ और दुमका से बसंत सोरेन हैं। वहीं अंतिम समय में नाम कटने से नेता बैद्यनाथ राम नाराज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका नाम अंतिम समय में मंत्री पद से हटा दिया गया। धमकी देते हुए कहा कि अगर उन्हें दो दिन में मंत्री नहीं बनाया गया तो वह पार्टी छोड़ देंगे।

मोदी सरकार के दबाव में ट्रैक पर लौटी चाइनीज कंपनियां

जिद छोड़ अब भारत में ही बनाएंगी फोन, घरेलू स्तर पर होगा प्रोडक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की लीडरशिप में भारत चाइनीज कंपनियों के साथ स्मार्टफोन प्रोडक्शन कर रहा है, जिनमें बीबीके ग्रुप, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, कार्बन ग्रुप, ओप्पो, वीवो, रियलमी, वनप्लस, आईक्यू ब्रांड शामिल हैं। चाइनीज कंपनियों को फायदा मिलने की संभावना है। पीएम मोदी की लीडरशिप में केंद्र सरकार चाइनीज कंपनियों पर लगातार दबाव डालती रही है कि वो भारत में स्मार्टफोन प्रोडक्शन करें।

कुछ चाइनीज कंपनियां पहले से भारत में स्मार्टफोन प्रोडक्शन करती रही है। वही कुछ चाइनीज कंपनियां अपने चुनिंदा स्मार्टफोन मॉडल का प्रोडक्शन भारत में करती रही है। हालांकि अब चाइनीज कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर स्मार्टफोन का प्रोडक्शन शुरू करने जा रही हैं।

भाजपा अधिवेशन में 'मोदी है तो मुमकिन है' के लगे नारे

पीएम ने खड़े होकर सबका अभिवादन किया, नड्डा बोले-राजस्थान-छत्तीसगढ़ जीता, बंगाल भी जीतेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन चल रहा है। इस कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शॉल पहनाकर मोदी का स्वागत किया। पीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा- हर बूथ पर पार्टी को 370 वोट बढ़ाने होंगे। 100 दिनों का जनसंपर्क अभियान चलाना है। भाजपा के पिछले 10 साल के कामों का भी प्रचार करना होगा। उधर जेपी नड्डा ने कहा- मोदी की गारंटी पर देश को भरोसा हुआ है। भाजपा की 17 प्रदेशों में सरकार है। हमने राजस्थान-छत्तीसगढ़ जीता है। इस बार बंगाल में भी जीतेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के देशभर से 11 हजार 500 से ज्यादा पदाधिकारी जुटेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की इस बैठक में जीत के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा।

खुशखबरी! अब कश्मीर में भी दौड़ेगी वंदेभारत

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 फरवरी को कश्मीर की पहली इलेक्टिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। हाल ही में बनिहाल से संगलदन (रामबन के जिला मुख्यालय) तक रेलवे रूट का काम पूरा हुआ है। अब इस 48 किलोमीटर के रास्ते पर इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ेगी। अधिकारियों का कहना है कि रूट पर जल्द ही वंदेभारत का भी ऐलान हो सकता है।

ज्ञानपीठ 2023 पुरस्कार का हो गया ऐलान

गीतकार गुलजार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उर्दू के मशहूर गीतकार व कवि गुलजार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 2023 का ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाएगा। इस बात की जानकारी सेलेक्शन पैनल ने दी है। बता दें कि दोनों ही हस्तियां अपने-अपने क्षेत्र में काफी मशहूर हैं। जहां गुलजार ने तमाम फिल्मों में गीत लेखन के अलावा गजल और कविता के क्षेत्र में मशहूरी हासिल की है। वहीं, जन्म से न देख पाने के बावजूद जगद्गुरु रामभद्राचार्य संस्कृत भाषा और वेद-पुराणों के प्रकांड विद्वान हैं। गुलजार को हिंदी सिनेमा में उनके कामों के लिए जाना जाता है। उन्हें इस समय के बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक माना जाता है। इससे पहले उन्हें 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2004 में पद्म भूषण भी मिल चुका है। इसके अलावा हिंदी सिनेमा में उनके विभिन्न काम के लिए पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य, एक प्रसिद्ध हिंदू आध्यात्मिक नेता, शिक्षक और 100 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।

इसरो ने श्रीहरिकोटा से इनसैट 3डीएस सैटेलाइट किया लॉन्च

● मौसम की सटीक जानकारी देगा, पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में होगा स्थापित

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार (17 फरवरी) को मौसम की सटीक जानकारी देने वाले सैटेलाइट इनसैट-3डीएस को लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से शाम 5.35 बजे लॉन्च किया गया। सैटेलाइट की लॉन्चिंग जीएसएलवी एएफ 14 रॉकेट से हुई। थोड़ी देर में यह जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट यानी पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में तैनात हो गया है। 1 जनवरी 2024 को मिशन की लॉन्चिंग के बाद 2024 में इसरो का यह दूसरा मिशन है। यह इनसैट-3डीएस सीरीज की 7वीं उड़ान होगी। इस सीरीज का आखिरी सैटेलाइट 8 सितंबर 2016 को लॉन्च किया गया था। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के अनुसार 10 नवंबर 2023 से इसके वाइब्रेशन टेस्ट शुरू हो गए थे। यह 6-चैनल इमेजर और 19-चैनल साउंडर के जरिए मौसम से जुड़ी जानकारी देगा। साथ ही सर्च और रेस्क्यू के लिए जमीनी डेटा और मैसेज रिले करेगा।

2274 किलोग्राम वजनी सैटेलाइट एक बार चालू होने के बाद अर्थ साइंस, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) मौसम पूर्वानुमान केंद्र के तहत विभिन्न विभागों को सेवा प्रदान करेगा।

बिना पासपोर्ट, वीजा के 14 साल से रह रहा था ड्रग माफिया

मुंबई (एजेंसी)। किसी भी देश की यात्रा के लिए हर किसी के पास पासपोर्ट और वीजा जरूरी होता है। मुंबई एटीएस ने एक नाइजीरियन ड्रग माफिया को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स भी जब्त की गई है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह थी कि उसके पास कोई पासपोर्ट, वीजा नहीं मिला है। एटीएस चीफ सदानंद दाते के निर्देशन में सीनियर इंस्पेक्टर अजय सावंत की टीम ने आरोपी को जुहू में एक सात सितारा होटल के बाहर से पकड़ा। उसके पास से और घर से एटीएस को सवा दो किलो एमडी ड्रग्स मिली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह साल, 2012 तें भारत आया था। मुंबई में कई जगह रहा। पिछले काफी समय से वह पालघर जिले के नालासोपारा में रह रहा था। उसका पासपोर्ट, वीजा कहां है। जवाब में उसने कहा कि वह नहीं है। जांच टीम को शक है कि उसने इसे फाड़ दिया होगा। उसका आधार कार्ड, पैन कार्ड भारत में बन ही नहीं सकता था। किसी सिम को खरीदने के लिए या तो पासपोर्ट या आधार कार्ड जरूरी होता है, लेकिन चूंकि आरोपी के पास यह नहीं था, इसलिए उसके नाम से सिम मिल नहीं सकता।

संदेशखाली की महिलाओं का दर्द

खेत खराब किया, मजदूरी छीनी, जीना किया मुहाल

कोलकाता (एजेंसी)। पुलिस किलेबंदी वाले उत्तरी 24 परगना जिले के गांव संदेशखाली में खामोशी है। इस गांव में बीजेपी और कांग्रेस के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की एंट्री बंद कर दी गई है। मीडियाकर्मियों के लिए

गांव में लोगों तक पहुंच आसान नहीं है। गांव के पुरुष बोलने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। वह अपनी तस्वीर भी कैमरे में कैद करने से परहेज कर रहे हैं। गांव की कुछ औरतें मीडियाकर्मियों से बात कर रही हैं, मगर वह भी सहमी हुई हैं। उन्हें डर है कि पुलिस प्रशासन के हटने के बाद शाहजहां शेख के गुंडे परेशान करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि शाहजहां शेख के गुंडे कहां हैं। एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि

- रेप पीड़िताओं से मेडिकल रिपोर्ट मांगती है बंगाल पुलिस
- तनाव में हैं लोग, शाहजहां शेख के गुंडे करेंगे अब परेशान

इलाके के नौजवान शेख के लिए काम करते हैं। दिन भर मोटरसाइकल से घूमते हैं। शाहजहां के लड़कों को पता है कि कौन बाहरी लोगों से बात कर रहा है। ये लड़के ही हमारी जमीन पर कब्जा करने के लिए मारपीट करते हैं।

अकबर शेर को सीता शेरनी के साथ रखने पर विवाद

● वीएचपी ने हिंदू धर्म का अपमान बताया, कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में अकबर नाम के शेर को सीता नाम की शेरनी के साथ रखने पर विवाद हो गया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की बंगाल इकाई ने इसे हिंदू धर्म का अपमान बताया है। इसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई। 16 फरवरी को जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की पीठ के समक्ष याचिका लगाई गई थी। जिस पर 20 फरवरी को सुनवाई होनी है। याचिकाकर्ता की मांग है कि शेरों के जोड़े का नाम बदला जाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शेर-शेरनी के जोड़े को हाल ही में त्रिपुरा के सेपाहिजला जूलॉजिकल पार्क से लाया गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने शेरों का नाम नहीं बदला है। 13 फरवरी को यहां आने से पहले ही उनका नाम रखा जा चुका था। विहिप का कहना है कि शेरों का नाम राज्य के वन विभाग द्वारा रखा गया था और 'अकबर' के साथ 'सीता' रखना हिंदू धर्म का अपमान है। हम इनका नाम बदलने की मांग करते हैं। इस मामले में राज्य के वन अधिकारियों और सफारी पार्क डायरेक्टर को मामले में पक्षकार बनाया गया है।

कानून की पढ़ाई को ग्रामीण क्षेत्रों में ले जाने की जरूरत

हिंदी में शिक्षा को लेकर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कानून की उच्च शिक्षा को दूरदराज ग्रामीण इलाकों तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छोटे शहरों के छात्र वकील बनने के अवसर से वंचित न रहें।

चंद्रचूड़ ने यह बातें डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी ने हमें दूर-दराज के छात्रों तक पहुंचने की क्षमता दी है। कानूनी शिक्षा में विकास के बावजूद, समकालीन कानूनी शिक्षा प्रणाली केवल अंग्रेजी बोलने वाले शहरी बच्चों का पक्ष लेती है। पांच कानून विश्वविद्यालयों में विविधता पर किए गए एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि विभिन्न पृष्ठभूमि के बच्चे अंग्रेजी बोलने में सक्षम नहीं होने के कारण इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में असमर्थ हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने हिंदी अनुवाद का जिक्र करते हुए कहा कि 1950 से लेकर 2024 तक करीब 36 हजार फैसले का हिंदी अनुवाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी अनुवाद का मकसद है कि जो अंग्रेजी नहीं जानते, उनके घर तक भी कानून पहुंचे और इसे हर प्रदेश में लागू किया जा सकता है। सीजेआई चंद्रचूड़ प्रयागराज में थे और उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट से जुड़ी अपनी पुरानी यादें भी साझा की।

कमलनाथ और नकुलनाथ के भाजपा जॉइन करने की अटकलें

दोनों चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली पहुंचे, दिग्विजय सिंह बोले-उनसे ऐसी उम्मीद नहीं

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे छिंदवाड़ा कांग्रेस सांसद नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने को लेकर अटकलें तेज हैं। इस बीच कमलनाथ, नकुलनाथ के साथ दिल्ली पहुंच गए हैं। उनके प्रोग्राम में शुक्रवार को बदलाव हुआ। वे पहले छिंदवाड़ा से भोपाल पहुंचे। यहां स्टेट हैंगर से विशेष विमान से दोपहर 2 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सांसद नकुलनाथ के बायो बदलने की अटकलें भी रहीं। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं के सवाल पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने शनिवार को जबलपुर में कहा कि जो डर रहे हैं या बिक रहे हैं, वे जा रहे हैं। कमलनाथ के भाजपा में जाने की उम्मीद ही नहीं करनी चाहिए। कमलनाथ के करीबी और मप्र कांग्रेस प्रवक्ता सैयद जाफर ने ट्वीट कर लिखा- कमलनाथ जो फैसला लेंगे वो सही होगा।

किसान आंदोलन के 5वें दिन हरियाणा में ट्रैक्टर मार्च

पंधेर बोले-केंद्र चाहे तो एमएसपी पर अध्यादेश संभव; पंजाब में टोल फ्री कराए

अंबाला (एजेंसी)। किसान आंदोलन का 17 फरवरी को 5वां दिन रहा। पंजाब के किसान दिल्ली जाने की जिद को लेकर शंभू बॉर्डर पर डटे हुए हैं। इस आंदोलन के दौरान हार्ट अटैक से एक किसान और दम घुटने से एक सब इंस्पेक्टर की मौत हो चुकी है। पंजाब का सबसे बड़ा किसान संगठन उगराहां भी आंदोलन में कूद गया है। यूनियन ने शनिवार से 2 दिन के लिए पंजाब में सभी टोल फ्री करा दिए हैं।

पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़, पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह और बरनाला में बीजेपी नेता केवल ढिल्लो के घर के बाहर किसानों ने तंबू गाड़कर धरना शुरू कर दिया है। हरियाणा में चढ़ूनी की

तरफ से तहसीलों में ट्रैक्टर मार्च निकाले जा रहे हैं। वहीं किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के कोऑर्डिनेटर सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार चाहे तो अध्यादेश लाकर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दे सकती है। बाद में संसद में बिल लाकर इसे कानून की शक्ल दे सकते हैं। ऐसा पहले कई मामलों में किया भी जा चुका है। उधर, किसान संगठनों की मांगों पर कल रविवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच चौथी वार्ता होगी। इससे पहले हुई 3 वार्ता बेनतीजा रहीं। बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ के घर के बाहर किसानों ने लंगर भी शुरू कर दिया है।

कश्मीर में भारी वर्षा, हिमपात के आसार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और हिमपात के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बताया कि प्रदेश में शनिवार रात से 21 फरवरी तक बारिश होते रहने की संभावना है। श्रीनगर स्थित मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने कहा कि 17 फरवरी को अपराह्न तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। वहीं आज देर रात तक ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तर, उत्तर-पश्चिमी, मध्य और दक्षिण कश्मीर के ऊपरी इलाकों में विभिन्न स्थानों पर रविवार को भारी बर्फबारी होने के आसार हैं। वहीं 19-20 फरवरी तक कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा, गांदरबल, बडगाम और अन्य जिलों के मैदानी और ऊपरी इलाकों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और भारी बर्फबारी होने की संभावना है। बारिश होने के कारण ऊपरी इलाकों और सिंथन दर्रे, मुगल रोड, साधना, राजदान दर्रे तथा ज़ोजिला जैसे महत्वपूर्ण दर्रों की सड़कें अस्थायी रूप से बंद हो सकती हैं। इस बीच, अधिकांश स्थानों पर रात का तापमान बढ़ गया और श्रीनगर में आज रात का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम और गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान क्रमशः 0.7 और शून्य से कम 1.2 दर्ज किया गया।

कश्मीर में आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों के एक संदिग्ध सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कुपवाड़ा के गैलिजू इलाके का निवासी आसिफ मुश्ताक वानी पिछले दो दिनों में इस जिले में गिरफ्तार किया गया आतंकवादियों का सहयोगी है। उसकी गिरफ्तारी शुक्रवार को बीएड कॉलेज ड्रगमुल्ला कुपवाड़ा के पास कुपवाड़ा पुलिस, सेना की 47 राष्ट्रीय राइफ (आरआर) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 162 बटालियन की संयुक्त तलाश अभियान के दौरान की गयी ।पुलिस ने कहा, ''तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त सुरक्षा बल के जवानों को देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, हालांकि कड़ी मेहनत के बाद उसे पकड़ लिया गया।' पकड़े आरोपी के पास चीन निर्मित एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन और छह पिस्तौल की गोलियां बरामद हुईं। आरोपी के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, गुरुवार को लालपोरा शेखपोरा के रफीक अहमद गनी के रूप में पहचाने गए आतंकवादियों के सहयोगी को कुपवाड़ा के गुंडिमाचेर ब्रिज पर बलों की एक संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था।

विरुधुनगर पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 9 की मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में करीब नौ लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। लोगों के मुताबिक, विस्फोट की तीव्रता इतनी जबरदस्त थी कि पटाखा फैक्ट्री के पास की चार इमारतें विस्फोट में नष्ट हो गईं। फैक्ट्री का मालिक विजय नाम का व्यक्ति था और यह शहर के वेम्बकोट्टई इलाके में स्थित थी। घटना के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुर्घटना फैक्ट्री के रसायन मिश्रण कक्ष में हुई। इसके पहले पिछले साल राज्य के कृष्णागिरि में एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

न्यायालयों में बढ़ रहे मामले पर सीजेआई चंद्रचूड ने जताई चिंता

प्रयागराज । उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है। ऐसे में प्रदेश में उद्योग लगेंगे और इस लिहाज से न्यायिक क्षेत्र का विस्तार होना जरूरी है। उन्होंने न्यायालयों में बढ़ रहे मामले पर चिंता जताते हुए कहा, 'अधीनस्थ अदालतें जहां समस्याओं के समाधान की शुरुआत होती हैं, वहां पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय में बहुत सारे ऐसे मामले बढ़ रहे हैं जिन्हें अधीनस्थ अदालतों में ही निस्तारित कर दिया चाहिए। छोटे मामले में यहां से जमानत नहीं मिलने से लोग उच्चतम न्यायालय तक आ रहे हैं और वहां दबाव बढ़ रहा है।' सीजेआई ने शनिवार को यहां मध्यस्थता केंद्र (आर्बिट्रेशन सेंटर) का उद्घाटन किया और 'कोर्ट ऑफ उत्तर प्रदेश' पुस्तक का विमोचन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चंद्रचूड़ ने अधिवक्ताओं और विधि पेशे से संबद्ध अन्य लोगों से प्रौद्योगिकी से जुड़ने की अपील करते हुए कहा, 'मैं सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं से प्रौद्योगिकी से जुड़ने, टैबलेट और लैपटॉप पर कार्य करने के लिए कहता हूं और बहुत सारे लोग अब यह कर रहे हैं।' उन्होंने अधीनस्थ अदालतों में आ रही युवा पीढ़ी की चर्चा करते हुए कहा कि यह पीढ़ी अलग तरह से सोचती है और इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं आ रही हैं। वे यहां अपना भविष्य सुरक्षित समझती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बतौर मुख्य न्यायाधीश अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए चंद्रचूड़ ने कहा, 'मैं शहरी परिवेश में पला बढ़ा लेकिन भारत के दिल उत्तर प्रदेश में आकर बहुत कुछ सीखने, जानने को मिला। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुझे अलग तरह के वाद से सामना करना पड़ा।'

चेक बाउंस के मामले में फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी को 2 साल की जेल

जामनगर । चेक बाउंस होने के मामले बोलीवुड के जानेमाने फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जामनगर की कोर्ट ने चेक बाउंस के मामले में राजकुमार संतोषी को दो साल की सजा सुनाई है। इतना ही नहीं चेक के अमाउंट की दोगुनी रकम यानी रु. 2 करोड़ जमा करने का भी आदेश दिया है। घायल, घातक और दामिनी जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्माता राजकुमार संतोषी को जामनगर के एक व्यवसायी अशोकलाल ने रु. 1 करोड़ उधार दिए थे। बाद में राजकुमार संतोषी ने रु. 10-10 लाख चेक अशोकलाल को दिया था। लेकिन चेक जब बैंक में जमा किया गया तब राजकुमार संतोषी के खाते में अपर्याप्त राशि का उल्लेख करते हुए चेक रिटर्न हो गया। जिसके बाद अशोकलाल ने अपने के जरिए राजकुमार संतोषी को नोटिस भेजा। इसके बावजूद राजकुमार संतोषी ने अशोकलाल को उनकी रकम नहीं लौटाई। आखिरकार अशोकलाल ने वर्ष 2017 में जामनगर की कोर्ट में राजकुमार संतोषी के खिलाफ मुकद्दमा दायर कर दिया। करीब 7 साल चले मुकद्दमे के बाद आखिरकार जामनगर की कोर्ट ने चेक बाउंस होने के मामले में फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी को दो साल की सजा सुनाई है। साथ ही चेक अमाउंट की दोगुनी रकम यानी रु. 2 करोड़ भी जमा करने का राजकुमार संतोषी को आदेश दिया है।

कोटा में जेईई अभ्यर्थी की संदिग्ध मौत

- कुछ दिन पहले ही उसको जेईई में अच्छे अंक मिले थे

कोटा । कोटा में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) दे रहे एक छात्र की रहस्यमय हालात में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान जमशेदपुर निवासी परनीत (18) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि परनीत पिछले दो साल से कोटा के एक छात्रावास में रह रहा था। वह 12वीं कक्षा का छात्र था और जेईई की तैयारी कर रहा था। कुछ दिन पहले ही उसका जेईई का स्कोर आया था, जिसमें उसे अच्छे अंक मिले थे। शाम को वह हॉस्टल में अपने दोस्त के कमरे पर गया था। वहां उसके दोस्तों ने ऑनलाइन खाना ऑर्डर किया था। खाना खाने के बाद परनीत की तबीयत बिगड़ गई। उसने कुछ देर आराम किया और फिर अपने परिवार से बात की। जब उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो उनके दोस्त उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उनके दोस्तों ने उसके परिवार के सदस्यों और पुलिस को सूचित किया। परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगा। परनीत के पिता राजीव रंजन रॉय ने कहा ?कि मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। मैंने उसे बताया था कि कोटा में कई छात्र आत्महत्या करते हैं, इस पर उसने कहा था कि पापा, मैं जिंदगी में कभी भी आत्महत्या करने के बारे में सोच भी नहीं सकता। रॉय ने कहा कि मेरे बच्चे के जेईई में 98 फीसदी नंबर आए। नतीजे आने के बाद उसने कहा था, पापा आईआईटी-मुंबई ने कन्फर्म कर दिया है। हम इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं।

पिछला दशक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा हुआ : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में बीजेपी का 2 दिवसीय अधिवेशन शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में भाग लिया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि ये हम सब के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं। आज एक माहौल में हम एकत्र हुए हैं, जहां हमें पीछे भी जीत दिखी है और आगे भी जीत मिलेगी। आज हम सब के बीच में हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने देश को, पार्टी को, समाज को नेतृत्व प्रदान कर राजनीति में नया आयाम स्थापित किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि '7 दशक के भारतीय जनसंघ और भाजपा के इतिहास में हम लोगों ने हर कालखंड को देखा है' हमने आपातकाल और संघर्ष भी देखा, चुनाव में हारने और जीतने की प्रक्रिया भी देखी लेकिन हम सभी को बहुत खुशी है कि पिछला दशक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा हुआ है।' देश के प्रधान सेवक, जो देश के प्रशासन के कामों में पूर्णतया व्यस्त रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्टी उनकी प्राथमिकता है और वे पार्टी के लिए हमेशा खड़े रहे हैं। पार्टी कैसे आगे बढ़ेगी, हम किस प्रकार से पार्टी को आगे बढ़ा सकते हैं, प्रधानमंत्री जी पल-पल इस बात की चिंता करते हैं। 7 दशक के जनसंघ और भाजपा के इतिहास में हमने हर कालखंड देखा है। हमने संघर्ष का काल देखा है, हमने उपेक्षा का काल देखा है, जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ने वाला काल देखा है, हमने आपातकाल देखा है, चुनाव में हारने और जीतने का काल भी देखा है।

द्वारका को बेट द्वारका को जोड़ता सिग्नेचर ब्रिज बनकर तैयार, 25 फरवरी को पीएम करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद। देश-विदेश से द्वारकाधीश के दर्शन करने आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। आगामी 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारका को बेट द्वारका से जोड़ने वाले सिग्नेचर ब्रिज का उदघाटन करेंगे। देवभूमि द्वारका जिला प्रशासन ब्रिज के कामकाज को अंतिम रूप देने की जोरदार तैयारियां कर रहा है। बता दें कि वर्ष 2016 में केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सिग्नेचर ब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2017 को सिग्नेचर ब्रिज का शिलान्यास किया था। देवभूमि द्वारका के ओखा से बेट द्वारका आवागमन के लिए अब तक समुद्र में बोट का उपयोग किया जाता था। लेकिन अब दर्शनार्थी वाहनों के जरिए ओखा से सीधे बेट द्वारका जा सकेंगे। ओखा और बेट द्वारका के बीच 900 करोड़ रुपए की लागत से सिग्नेचर ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। करीब ढाई किलोमीटर लंब इस ब्रिज से वाहन या पैदल चलकर बेट द्वारका पहुंचा जा सकेगा। सिग्नेचर ब्रिज शुरू होने से लोगों का समय बचेगा और बेट द्वारका में चीज-वस्तुएं भी सस्ती होंगी। 2320 मीटर लंबा ओखा-बेट द्वारका सिग्नेचर ब्रिज एक केबल-आधारित पुल है जो कच्छ की खाड़ी के पार बेट द्वारका और ओखा को जोड़ता है। पीएम नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन से द्वारका शहर को एक नया मुकाम मिलेगा7 इतना ही नहीं, द्वारका आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस पुल पर पर्यटकों के लिए 12 स्थानों पर व्यूइंग गैलरी बनाई गई हैं। यहां से उन्हें कच्छ की खाड़ी में नीला समुद्र दिखाई देता है।

मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं न्यायधीशगणों के साथ शुक्रवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ऑडिटोरियम में डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय डी0वाई0 चन्द्रचूड ने मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ एवं न्यायधीशगणों के साथ शुक्रवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ऑडिटोरियम में डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय डी0वाई0 चन्द्रचूड एवं मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने अन्य न्यायमूर्तिगणों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा डा0 राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण व माल्यार्पण तथा पुस्तक का विमोचन किया।

इस अवसर पर देश के मुख्य न्यायाधीश डॉ0 डीवाई चन्द्रचूड़ ने इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का शुभारम्भ करना मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है इलाहाबाद में आप सबने मुझे अपनाया है डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे, इसके अलावा न सिर्फ डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद हमारे संविधान सभा के अध्यक्ष थे, बल्कि एक बड़े सम्मानित वकील भी थे उन्होंने कहा कि एक वकील के रूप में प्रयागराज से उनके बेहद नजदीकी सम्बंध रहे कलकत्ता विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने कानून क्षेत्र में पीएचडी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से की भारत के संविधान बनने की प्रक्रिया में अपना मार्गदर्शन व योगदान देकर डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने स्वतंत्र एवं आधुनिक भारत की नीव रखी संविधान सभा में डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का मौका दिया, जिससे भारत की संसदीय परम्परा की शुरूआत हुई। संविधान सभा के सभी सदस्य डॉ0 प्रसाद को सम्मान की दृष्टि से देखते थे यही कारण था कि जब भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुनने का मौका आया, तब डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद को ही इस पद के लिए सबसे योग्य माना गया इस विश्वविद्यालय का नाम डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद से जोड़कर हमने न सिर्फ डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद की विरासत को सम्मान दिया है, इसके साथ ही आने वाली पीढ़ियों को डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के विचार से प्रेरित करने का काम किया है इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े सभी लोगो को बधाई देता हूं खासतौर पर उत्तर प्रदेश शासन, मुख्यमंत्री , उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सारे न्यायाधीशों को बधाई देता हूं मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि मैंने भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर लगभग पौने तीन वर्ष यहां बितायें। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने न सिर्फ उच्च न्यायालय के सम्मानित न्यायधीशों के साथ कई अहम मुद्दो पर काम किया, बल्कि प्रयागराज के गौरवशाली इतिहास के विषय में भी जाना मैं इस उच्च न्यायालय में अपने कार्य के दौरान प्रयागराज ही नहीं बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जाना मेरा मानना है कि उत्तर प्रदेश भारत का दिल है अपने अनुभवों को साझा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मुझे अपने कार्यकाल के दौरान कई जनपदों में जाने का मौका मिला, और मैंने जिला न्यायपालिकाओं से जुड़ी समस्याओं को समझने का प्रयास किया इलाहाबाद सदियों से ज्ञान व विचार विनिमय का केन्द्र रहा है उन्होंने कहा कि इसे पूर्व का ऑक्सफोर्ड कहा जाता है उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख केन्द्र के रूप में भी प्रयागराज उन अग्रणी शहरों में रहा, जिसने आजादी के आंदोलन में हौसला प्रदान किया।

जयंत ने क्यों छोड़ा इंडिया गठबंधन... नीतिश ने बताया कारण

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में जबरदस्त उथल पुथल मची हुई है। कई बड़े नेता गठबंधन से जा चुके हैं, यूपी में जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल भी बीजेपी के साथ जा चुकी है। इसके बाद विपक्ष की लड़ाई कमजोर होती दिख रही है। जयंत के इंडिया गठबंधन से दूर होने पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार का बयान आया है। उन्होंने बताया कि आखिर जंयत क्यों इंडिया गठबंधन को छोड़कर गए हैं। सीएम नीतीश ने कहा कि, हमने बहुत कोशिश की थी, हम नाम भी नहीं दे रहे थे, हमने दूसरा नाम दिया था। तब वे लोग अपनी तरफ से नाम दे दिए। बहुत लोग नाराज हो रहे थे, लेकिन हमने कहा कोई नहीं.. अब चल रहा है.. इसतरह ही चल रहा है वहां तब वैसे भी खत्म हो गया था। उस समय हमने कह दिया था सारी बात बता दी थी। हम बिहार के हित में काम करते हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ विरोधी गठबंधन की नींव नीतीश कुमार ने रखी थी और सबसे पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने में उन्होंने ही प्रमुख भूमिका निभाई थी, लेकिन गठबंधन को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब नीतीश ही इससे अलग होकर फिर बीजेपी के पाले में चले गए। इसके बाद रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने भी एनडीए के साथ जाने की घोषणा कर दी है। जयंत के जाने से यूपी में सपा और इंडिया गठबंधन को करारा झटका लगा है। वहीं बीजेपी पश्चिमी यूपी में और मजबूत हो गई है। एक तरफ बीजेपी पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव में जुटी हुई है। वहीं इंडिया गठबंधन में अब तक सीटों को लेकर भी फैसला नहीं हो पाया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी अपने दम पर चुनाव लडने का ऐलान कर चुकी है।

भड़काऊ मौलाना सलमान अजहरी की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

अरवल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से चर्चा में चल रहे मुंबई के मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अरवल्ली की मोडासा सेशन कोर्ट ने मौलाना को भड़काऊ भाषण के मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मोडासा सेशन कोर्ट में आज हुई सुनवाई में मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी पर फैसला लिया गया, हालांकि सुरक्षा कारणों से मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी को अहमदाबाद की साबरमती जेल भेजा जाएगा।

मौलाना सलमान अज़हरी ने दिसंबर 2023 में कच्छ और जूनागढ़ में भड़काऊ भाषण दिया था, इतना ही नहीं इससे पहले मौलाना ने अरवल्ली जिले के मुख्यालय मोडासा में भी भड़काऊ भाषण दिया था। इसके बाद उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी7 इस पूरे मामले में मौलाना सलमान अज़हरी को पांच दिन की रिमांड पर लिया गया। आज मोडासा सेशन कोर्ट ने आरोपी मौलाना को रिमांड पूरी होने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है, इसके बाद अब मौलाना को सुरक्षा कारणों से अहमदाबाद की साबरमती जेल भेजा जाएगा।

मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी ने अरवल्ली जिले के मुख्यालय मोडासा में भड़काऊ भाषण दिया था, इस मामले में मौलाना के खिलाफ मोडासा में भड़काऊ भाषण और एट्रोसिटी के तहत अपराध दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि मौलाना सलमान अज़हरी को सुरक्षा कारणों से शामलाजी पुलिस स्टेशन में रखा गया था और आज उन्हें अदालत में पेश किया गया। कोर्ट के न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद अब मौलाना को अहमदाबाद की साबरमती जेल में रखा जाएगा।

संदेशखाली पहुंची ममता की टीम, भाजपा और कांग्रेस नेताओं को रोका गया

-बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम नाव से पहुंची

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण का मामला तूल पकड़ा दिख रहा है। इतना ही नहीं ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। वहीं भाजपा सासंदों की टीम और कांग्रेस नेताओं ने संदेशखाली जाने की कोशिश की, तब उन्हें रास्ते में ही रोका गया। पुलिस ने शांति व्यवस्था की बात कहकर उन्हें बाहर ही रोक दिया। वहीं पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम संदेशखाली पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह टीम नदी के रास्ते नाव से संदेशखाली के धमाखाली गांव पहुंची है।

बता दें कि संदेशखाली की महिलाओं का कहना है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथी कई सालों से उनका यौन शोषण करते थे। वे डरा धमकाकर उनकी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। इतना ही नहीं परिवार के पुरुष सदस्यों की पिटाई करते थे। इस काम में उनका साथ बंगाल पुलिस भी देती थी। शाहजहां के खिलाफ संदेशखाली की महिलाएं सड़क पर उतर चुकी हैं। वहीं राज्य की ममता बनर्जी सरकार ने शांति में खलल पड़ने का हवाला देकर राजनीतिक दलों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

भाजपा ने 16 फरवरी को दो मंत्रियों और चार अन्य सांसदों की एक टीम को संदेशखाली भेजा था। हालांकि राज्य की पुलिस ने भाजपा के सांसदों को रास्ते में ही रोक दिया। टीम का कहना था कि वह जानना चाहती है कि आखिर संदेशखाली में क्या हुआ और वहां जाने से लोगों को रोका क्यों जा रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी संदेशखाली जाने की कोशिश कर रहे थे। तभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई। इसके बाद अधीर रंजन चौधरी धरने पर बैठ गए।

भाजपा टीम की संयोजक केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णआ देवी ने कहा, हम पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना चाहते थे लेकिन हमें रोक दिया गया। अगर पहले ही आरोपियों को गिरफ्तार किया गया होता, तब यह दिन नहीं देखना पड़ता। इसके बाद यह टीम राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मिलने चली गई।

अजीत का सियासी दर्द छलका, सुप्रिया पर निशाना साधा कहा-अगर शरद पवार का बेटा होता तो...?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का सियासी दर्द कम नहीं हो रहा है। वे राज्य में उपमुख्यमंत्री है लेकिन कहीं न कहीं सीने से सियासी जलन जरुर हो रही है। यही वजह है कि आए दिन अजीत अपनी पीड़ा व्यक्त करते नजर आते हैं। एक बार फिर अजीत ने अपने चाचा शरद पवार का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर वह 'वरिष्ठ' नेता के बेटे होते तो आसानी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष बन जाते। इस बयान पर शरद पवार के वफादार माने जाने वाले पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि अजित महाराष्ट्र की राजनीति में इतनी तेजी से नहीं उभर पाते अगर वह शरद पवार के भतीजे नहीं होते। अजित के इस बयान पर पलटवार करते हुए शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से जुड़े विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सवाल किया कि अजित ने बगावत शुरू करने के बजाय चुनाव के जरिए पार्टी अध्यक्ष बनने की कोशिश क्यों नहीं की। आव्हाड ने कहा, 'अगर अजित पवार शरद पवार के भतीजे नहीं होते, तो उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में इतनी जल्दी अवसर नहीं मिलते। यही कारण है कि अजित पवार 1991 में सांसद, 1993 में विधायक और फिर (राज्य) मंत्री बने।' उन्होंने कहा, '1999 से 2014 तक अजित पवार के पास सभी महत्वपूर्ण विभाग थे। अजित के कृत्यों ने पार्टी की छवि को खराब किया लेकिन शरद पवार ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह अजित से जुड़े थे।'

अजित पवार ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन पर शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी को 'चोरी' करने का आरोप लगाया गया, लेकिन निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया है और इस बात की पुष्टि की है कि अजित गुट ही असली एनसीपी है। उन्होंने अपने चाचा का नाम लिए बिना कहा, 'यदि मेरा जन्म वरिष्ठ नेता के घर हुआ होता तो मैं स्वाभाविक रूप से पार्टी का अध्यक्ष बन जाता, बल्कि पार्टी मेरे नियंत्रण में आ जाती। लेकिन, मैं आपके भाई के घर पैदा हुआ।' अजित ने कहा कि समूचा परिवार उनके खिलाफ है, लेकिन पाटी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'हमें निशाना बनाया गया। कहा गया कि हमने यह फैसला (बीजेपी से हाथ मिलाने का) सिर्फ अपने खिलाफ जांचों को रोकने के लिए लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे साथ जो लोग हैं, उनमें से हर कोई जांच का सामना कर रहा है?' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कभी मंत्री नहीं बने और इसलिए उन पर कभी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। अजित ने कहा, 'जब आप कभी मंत्री नहीं बने, तो आपके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कैसे लगेंगे?ज्मेरे पास राज्य की जिम्मेदारी थी। जो लोग काम करते हैं, उन पर आरोप लगना तय है। जो लोग काम नहीं करते, उनका पाक साफ रहना तय है।' गौरतलब है कि शरद पवार की बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने अभी तक कभी मंत्री पद नही संभाला है। अजित पवार ने दावा किया कि यदि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के लिए शरद पवार की पसंद को मान लिया होता तो उनकी सराहना हो रही होती। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं जब पार्टी का अध्यक्ष बन गया तो हमारे बारे मे कहा गया कि हम किसी भी काम के नही हैं।' अजित ने कहा कि वह बारामती से एक ऐसा उम्मीदवार खड़ा करेंगे, जिसने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा हो लेकिन उस व्यक्ति के पास पर्याप्त अनुभव वाले समर्थक होंगे। अजित पवार ने कहा कि लोगों को इस उम्मीदवार को यह मानकर वोट देना चाहिए जैसे कि वह स्वयं चुनाव में उतरे हो।

नवलनी की मौत, ब्रिटिश सरकार ने रूसी दूतावास को बुलाया

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि वह यह स्पष्ट करने के लिए रूसी दूतावास को बुला रही है कि वह विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत के लिए रूसी अधिकारियों को पूरी तरह से जिम्मेदार मानती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आर्कटिक दंड कॉलोनी में नवलनी की मौत की पूरी तरह से और पारदर्शी तरीके से जांच की जानी चाहिए। ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नवलनी की मौत के लिए जवाब देना चाहिए। हमें इसके लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराना चाहिए। विदेश मंत्री कैमरन ने म्यूनिख में कहा, क्योंकि मेरे मन में कोई संदेह नहीं है, यह व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ, न्याय के लिए, लोकतंत्र के लिए एक बहादुर सेनानी था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी नवलनी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें रूसी लोकतंत्र का सबसे उग्र वकील कहा। रूसी जेल सेवा ने कहा कि रूस के सबसे प्रमुख विपक्षी नेता नवलनी शुक्रवार को पोलर वुल्फ दंड कॉलोनी में टहलने के बाद गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई, जहां वह लंबी जेल की सजा काट रहे थे।

कच्चा तेल लेकर भारत जा रहे टैंकर पर लाल सागर में हमला

पनामा (ईएमएस)। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि कच्चा तेल लेकर भारत जा रहे पनामा के झंडे वाले एक टैंकर पर लाल सागर में एक मिसाइल से हमला हुआ। विदेश विभाग के अनुसार, यमन से लांच की गई मिसाइल ने एम/टी पोलक्स को इसके बंदरगाह की ओर मारा। इससे पहले यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) एजेंसी और ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे ने कहा था कि पनामा-ध्वजांकित टैंकर को यमन से दूर मोखा बंदरगाह के उत्तर-पश्चिम में 72 समुद्री मील (133 किमी) की दूरी पर टक्कर मार दी गई थी। एंब्रे ने कहा कि जहाज...कथित तौर पर मामूली क्षति हुई है। चालक दल के सुरक्षित होने की खबर है। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय नौवहन पर अराजक हमलों का एक और उदाहरण है, जो हौथिस को बंद करने के लिए कई संयुक्त और अंतरराष्ट्रीय बयानों के बाद भी जारी है। एम/टी पोलक्स 24 जनवरी को रूस के काला सागर बंदरगाह शहर नोवोरोस्सिस्स्क से रवाना हुआ था और 28 फरवरी को उस भारत के पारादीप में छुट्टी मिलनी थी। इंडियन ऑयल कंपनी की पूर्वी ओडिशा राज्य के पारादीप में 300,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल रिफाइनरी है। जहाज का स्वामित्व ओशनफंट मैरीटाइम कंपनी एसए के पास है और इसका प्रबंधन सी ट्रेड मरीन एसए द्वारा किया जाता है। उन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। एंब्रे ने कहा कि एम/टी पोलक्स के उत्तर-पूर्व में तीन समुद्री मील की दूरी पर एक अन्य जहाज को टैंकर से दूर, बंदरगाह की ओर रास्ता बदलते हुए देखा गया।

जापान ने नया एच3 रॉकेट का किया परीक्षण

टोक्यो। जापान ने शनिवार को नया फ्लैगशिप एच3 रॉकेट का परीक्षण किया। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) इसला लाइव फीड सोशल मीडिया में शेयर किया है। यान को शनिवार सुबह कागोशिमा के दक्षिण-पश्चिमी प्रान्त में तनेगाशिमा द्वीप पर तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से परीक्षण किया गया। इसके दूसरे चरण के पृथक्करण की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि पहले इसे गुरुवार को परीक्षण करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम की स्थिति के कारण इसे पुनर्निर्धारित किया गया था। इससे पहले मार्च 2023 में इसका परीक्षण विफल रहा था। उस समय रॉकेट के दूसरे चरण का इंजन प्रज्वलित होने में विफल रहा था।

अमेरिकी सेना ने 24.9 डॉलर ऑर्डर का ठेका दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा विभाग ने वर्जीनिया स्थित रक्षा, विमानन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं बायोमेडिकल अनुसंधान कंपनी लेइडोस को स्वचालित इंस्टालेशन एंट्री सिस्टम प्रदान करने के लिए लगभग 25 करोड़ डॉलर का ठेका दिया है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया, लेइडोस वर्जीनिया को ऑटोमेटेड इंस्टालेशन एंट्री सिस्टम के लिए 24.9 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।रक्षा विभाग ने कहा कि अनुबंध पर काम आठ फरवरी, 2030 की अनुमानित समाप्ति तिथि के साथ लगभग छह साल तक का है। रक्षा विभाग ने कहा कि अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के एबरडीन में आर्मी प्रोविंग ग्राउंड्स में स्थित आर्मी कॉन्ट्रैक्टिंग कमांड अनुबंध गतिविधि के रूप में परियोजना पर काम की देखरेख करेगी।

ब्रिटेन में हत्या के 30 साल पुराने मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा

लंदन। लंदन की एक अदालत ने एक महिला की हत्या के 30 साल पुराने मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। संदीप पटेल (51) को 1994 में लंदन के वेस्टमिंस्टर इलाके में मरीना कोप्पेल नामक महिला के फ्लैट पर उन्हें कम से कम 140 बार चाकू मारकर उनकी हत्या करने का दोषी पाया गया और शुक्रवार को शहर की ओल्ड बेली अदालत में सजा सुनाई गई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि उसकी फोरेंसिक टीम कोप्पेल की अंगूठी पर मिले पटेल के बाल की बारीकी से जांच कर उसे न्याय के कटघरे में ले आई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ऑपरेशनल फॉरेंसिक मैनेजर और पुराने हत्या मामलों की जांच के लिए फॉरेंसिक प्रमुख डेन चेस्टर ने कहा, 'फोरेंसिक वैज्ञानिकों, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों, फोरेंसिक मैनेजर और जांच टीम की कड़ी मेहनत से मरीना की हत्या की गुत्थी सुलझ पाई है।'

पाकिस्तान में प्रमुख तालिबान कमांडर सहित सात आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने शनिवार को एक प्रमुख तालिबान कमांडर समेत सात आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता ने कहा कि उसने प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान चलाए और सात संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गयी है। उन्होंने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक प्रमुख कमांडर हसनैन मोआविया को लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आतंकवादी प्रतिबंधित संगठनों - टीटीपी, अल-कायदा और लश्कर-ए-झांगवी से संबंधित थे। आतंकवादियों के पास से एक हथगोला, 3,048 ग्राम विस्फोटक, दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), छह डेटोनेटर और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों ने प्रांत में हमला करने की योजना बनाई थी और वे उन शहरों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहते थे। यहीं से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आतंकवादियों के खिलाफ सात मामले दर्ज किए हैं और उन्हें आगे की जांच के लिए अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया है।

जेल में बंद पूर्व थाई पीएम थाकसिन रविवार को होंगे रिहा

बैंकॉक, । थाई प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को 18 फरवरी को रिहा किया जाएगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्याय विभाग ने कहा कि 74 वर्षीय थाकसिन इस महीने पैरोल के लिए स्वीकृत 930 कैदियों में से एक हैं। वह पैरोल के पात्र हैं क्योंकि उनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है और वह गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। थाकसिन को 15 साल से अधिक का अपना निर्वासन समाप्त कर अगस्त 2023 में थाईलैंड लौटने पर हिरासत में ले लिया गया और कई आरोपों में आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई। हालाँकि, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण उन्हें जल्द ही बैंकॉक जेल से अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और तब से वह अस्पताल में ही हैं। पिछले सितंबर में थाई राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने थाकसिन के शाही क्षमादान के अनुरोध के बाद उनकी जेल की सजा को घटाकर एक साल कर दिया था।

बुडापेस्ट में देश के राष्ट्रपति कातालिन नोवाक और पूर्व न्याय मंत्री जुडिट वर्गा के इस्तीफे के बाद एक प्रदर्शन में भाग लेते लोग।

संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को लेकर भारत ने पांच देशों को सुनाई खरी-खरी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को लेकर भारत ने फिर अपना पक्ष जोरदार तरीके से रखा है। यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमूलचूल परिवर्तन हों। इसके अलावा स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों का विस्तार करे। न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद सुधार के मुद्दे पर कंबोज ने अपनी मांग रखी। बता दें कि भारत सहित कई देश हैं, जो कि सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। हालांकि चीन जैसे देश में नहीं चाहते कि इसमें कोई सुधार हो। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही 5 स्थायी सदस्यों का ही संयुक्त राष्ट्र में दबदबा रहा है। इसमें चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। इसकारण कई बार ज्यादा देशों की बात को अनदेखा किया जाता है। इसी मामले को लेकर फिर भारत ने पांचों देशों को जमकर लताड़ा है। भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि इन पांच स्थायी देशों की वजह से बाकी 188 देशों की सहमति या असहमति को तवज्जो नहीं दिया जाता है। कंबोज ने कहा, समावेशी विश्व को ध्यान में रखते हुए अब सुधार बहुत जरूरी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि केवल अस्थायी सदस्यों के विस्तार करने से समस्या का हल नहीं निकलेगा। सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र में समान अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अब तक अन्याय होता रहा है। ऐसे में अब एशियाई और अफ्रीकी देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जगह देनी जरूरी हो गई है। जब तक कमजोर देशों को भी अपनी बात रखने और उनके विचार को महत्व नहीं दिया जाएगा तब तक सबके हित में फैसले नहीं हो सकते है।

संयुक्त अरब अमीरात और कतर के पड़ोसी देश ने भारत से क्यों लिया करोड़ों का गोबर?

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त अरब अमीरात और कतर दौरे ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। मुस्लिम देशों में भारत की ताकत बढ़ती जा रही है। ओमान हो या सऊदी अरब, कतर हो या ईरान सभी भारत के साथ बड़े-बड़े समझौते कर रहे हैं। लेकिन आपको एक और मुस्लिम देश कुवैत के बारे में बताते हैं। कुवैत कुछ समय से भारत के साथ ऐसा व्यापार कर रहा है जो आपको हैरान कर देगा। कुवैत भारत से लाखों किलो गोबर खरीद रहा है। भारत लगातार कुवैत को गोबर बेचे भी जा रहा है।

कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने खजूर की खेती में गाय के गोबर को बहुत फायदेमंद पाया है। खजूर की फसल पर इसके सकारात्मक असर दिखने पर गोबर की मांग बढ़ी। इसके बाद कुवैत ने भारत से गाय का गोबर आयात करने का फैसला किया है। इससे पहले वैश्विक खाद्य संकट के बीच कुवैत ने भारत से गेहूं भेजने का अनुरोध किया था। अब कुवैत ने अपने देश में खजूर की फसल को बढ़ाने के लिए भारत से लाखों किलो गोबर खरीदना शुरू कर दिया।

भारत में गोबर के उपले का इस्तेमाल ईंधन के रूप में किया जाता है। चीन और ब्रिटेन में बिजली और गैस बनाने में भी गोबर का इस्तेमाल होता है। हालांकि लंबे समय से गोबर का इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जाता रहा है। जिससे पैदावार पर बड़ा असर पड़ता है। भारत में लंबे समय से गोबर का इस्तेमाल गैस और ईंधन के तौर पर किया जा रहा है। भारत में लगभग 30 करोड़ मवेशी हैं। जिनसे हर रोज लगभग 30 लाख टन गोबर का उत्पादन होता है।

पाक चुनाव : पीएमएल-एन ने अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग को लेकर पीटीआई की आलोचना की

लाहौर। पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में कथित 'धांधली' के मामले में अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग को लेकर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी की आलोचना की है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने कहा, 'यह पाकिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ है।' पीएमएल-एन नेता मरियम औरंगजेब ने अमेरिका को आमंत्रित करने के लिए खान और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को आड़े हाथ लिया। खान ने बृहस्पतिवार को अमेरिका को भेजे विशेष संदेश में कहा कि उसे भूमिका निभानी चाहिए और पाकिस्तान के आम चुनाव में हुई 'धांधली' के बारे में चिंता व्यक्त करनी चाहिए। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की वेबसाइट पर शुक्रवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक मरियम ने पार्टी नेता अताउल्लाह तरार के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खान द्वारा अमेरिका को देश के चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रित करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं, हम गुलाम नहीं हैं! यह पाकिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ है।' 'द न्यूज इंटरनेशनल' के अनुसार, पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता ने आठ फरवरी के चुनावों में कथित धांधली के खिलाफ अमेरिकी मदद मांगने के लिए पीटीआई की आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि 'आपके अनुसार,अमेरिका ने साजिश रची थी और आपकी सरकार को उखाड़ फेंका था। पीटीआई ने अविश्वास प्रस्ताव के जरिए अमेरिका पर उसकी सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

फर्जीवाड़े में फंसे ट्रंप- कोर्ट ने ठोका 29 हजार करोड़ का जुर्माना

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। हाल ही में न्यूयॉर्क की एक अदालत के जज ऑर्थर एन्गोरोन ने धोखाधड़ी केस में ट्रम्प और उनकी कंपनियों पर लगभग 355 मिलियन डॉलर यानी 29.46 हजार करोड़ रुपये के दंड भुगतान करने का आदेश दिया है।अदालती आदेश में कहा गया है कि ट्रम्प को जुर्माने की उस राशि पर लाखों डॉलर का ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा अदालत ने डोनाल्ड ट्रम्प पर न्यूयॉर्क कॉरपोरेशन में किसी अधिकारी या निदेशक के रूप में कार्य करने पर भी रोक लगा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ट्रम्प राज्य में तीन साल के लिए दूसरी अन्य कानूनी संस्थाओं में भी कोई पद नहीं संभाल सकते हैं और साथ ही अपनी किसी भी रजिस्टर्ड कंपनी के लिए किसी भी वित्तीय संस्थान से लोन के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने ट्रम्प के दोनों बेटों, डोनाल्ड जूनियर और एरिक- जो 2017 से ही ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन का जिम्मा संभाल रहे हैं, पर भी जुर्माना लगाया है। दोनों बेटों को धोखाधड़ी से व्यक्तिगत लाभ अर्जित करने के आरोपों पर 4 मिलियन डॉलर यानी 33.19 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा कोर्ट ने इन दोनों को दो साल तक ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन में अधिकारी के रूप में काम करने पर भी रोक लगा दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प ने कर्जदाताओं को धोखा दिया है और अपनी कंपनियों की संपत्ति मूल्य को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। मैनहट्टन कोर्ट के 90 पन्नों के इस फैसले की वजह से डोनाल्ड ट्रम्प का रियल एस्टेट साम्राज्य खतरे में आ गया है। कोर्ट में इस केस की सुनवाई करीब तीन महीने से चल रही थी।

पाकिस्तान सेना का इमरान को प्रस्ताव, माफी मांगे और कहे अब दुबारा ऐसा नहीं होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में चुनाव के नतीजे आने के बाद करीब एक सप्ताह का वक्त बीच चुका है, लेकिन अभी सरकार का गठन नहीं हुआ है। एक ओर नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने शहबाज शरीफ को कुर्सी पर बिठाने की तैयारी कर ली है। वहीं पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने उमर अयूब को अपना पीएम कैंडिडेट घोषित किया है। इमरान की पार्टी को इस बार सिंबल नहीं मिला था। इसकारण पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन दिया था, जिसमें 93 ने जीत हासिल की है। यह सबसे बड़ा आंकड़ा है, जबकि दूसरे नंबर पर नवाज शरीफ की पार्टी है, जिसने 75 सीटों पर विजय हासिल कर सकी है।

तीसरे नंबर पर पीपीपी को 54 सीटें मिली हैं। चर्चा है कि सेना की सहमति से शहबाज को ही पीएम बनने का फैसला हुआ है। इसके लिए नवाज शरीफ भी राजी हो गए हैं। इसके लिए पीएमएल-एन और पीपीपी एकजुट हो रहे हैं। वहीं इमरान की पार्टी भी अपने दांव चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने इमरान से भी इसके लिए संपर्क किया था। उन्हें पीएम का पद इस शर्त पर ऑफर किया गया था कि वह 9 मई को हुई हिंसा को लेकर माफी मांग लें। इसके अलावा वादा करें कि सेना के खिलाफ अब कभी कोई घटना नहीं होगी और वह बयानबाजी भी नहीं करने वाले। हालांकि इस डील पर बात नहीं बन सकी है। पाकिस्तान के पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी नईम खालिद लोधी ने डील पर चर्चा होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी है कि सेना ने इमरान से इनडायरेक्ट बातचीत की थी। इमरान को सेना की ओर से भेजे संदेश में कहा गया था कि वह मानें की 9 मई की हिंसा की साजिश उन्होंने रची थी। इसके लिए माफी मांगें और कहें कि आगे से ऐसा नहीं होगा। लोधी ने कहा कि इस पर इमरान ने कहा कि मैं उन लोगों को हटा दूंगा, जिन पर हिंसा में शामिल रहने का आरोप है। उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। लेकिन यह बात मानने से इंकार कर दिया कि उस हिंसा में उनका कोई रोल था।

अमेरिका चुनाव: भारतवंशी के खिलाफ मैदान में उतरेंगी कमला हैरिस

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव अब और रोचक होते जा रहे हैं। यहां भारतवंशी कमला हैरिस के खिलाफ एक और भारतवंशी मैदान में हैं इसलिए यह मुकाबला और रोचक हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चार बार सांसद रह चुकीं तुलसी (42) साल 2020 में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं लेकिन रेस में काफी पीछे रह गई थीं। अमेरिकी संसद छोड़ने के बाद तुलसी ने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी भी छोड़ दी थी। इस दौरान उन्होंने खुद को रिपब्लिकन पार्टी के अधिक करीब होने की बात कही थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल की पूर्व सांसद तुलसी गबार्ड के संपर्क में बने हुए हैं। दोनों के बीच विदेश नीति और रक्षा मामलों सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन इन सबसे अधिक महत्वपूर्ण ये है कि तुलसी को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का संभावित उम्मीदवार बनाया जा सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चार बार सांसद रह चुकीं तुलसी (42) साल 2020 में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं लेकिन रेस में काफी पीछे रह गई थीं। अमेरिकी संसद छोड़ने के बाद तुलसी ने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी भी छोड़ दी थी।

इस दौरान उन्होंने खुद को रिपब्लिकन पार्टी के अधिक करीब होने की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और उनके शीर्ष सलाहकारों ने तुलसी से विदेश नीति के बारे में बात की थी। इस दौरान यह भी चर्चा की गई कि ट्रंप के दूसरे संभावित कार्यकाल में रक्षा विभाग को किस तरह चलाया जाना चाहिए। इससे पहले तुलसी ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में बताया था कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार बनने के लिए चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था कि मैं इस चर्चा के लिए तैयार हूं। जीवन में मेरा मिशन हमारे देश और अमेरिकी लोगों की सेवा करना है। इसके साथ ही ऐसा करने के लिए बेहतरीन तरीके खोजना है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ट्रंप ने पिछले साल भी निजी तौर पर तुलसी से मुलाकात की थी। अगर तुलसी गबार्ड को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाता है। इसका मतलब है कि उनका मुकाबला सीधे तौर पर एक और भारतवंशी कमला हैरिस से होगा। कमला हैरिस इस बार भी डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति चुनाव लड़ सकती हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय वार्ता में उठाया कनाडा का मुद्दा

बर्लिन। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। इसी बीच कनाडा में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर दोनों देशों में राजनयिक विवाद के बीच विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कनाडा की अपनी समकक्ष मेलानी जोली के साथ द्विपक्षीय संबंधों की मौजूदा स्थिति और वर्तमान वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने शुक्रवार को यहां जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर मुलाकात की। यह बैठक पिछले साल कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में कड़वाहट के बीच हुई है। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2024 के मौके पर कनाडा की अपनी समकक्ष विदेश मंत्री मेलानी जोली से मुलाकात की। हमारी बातचीत स्पष्ट रूप से हमारे द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति पर केंद्रित थी। वैश्विक स्थिति पर भी सार्थक चर्चा हुई। जोली ने भी 'एक्स' पर जयशंकर के साथ मुलाकात के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा,म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2024 में डॉक्टर एस.जयशंकर और मेरे बीच कनाडा-भारत संबंधों तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण समेत वर्तमान वैश्विक मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता को लेकर 18 सितंबर को कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव आ गया था।

जेल में बंद रुसी राष्ट्रपति विरोधी नेता की संदिग्ध मौत पर बाइडेन ने पुतिन को जिम्मेदार ठहराया

मास्को (एजेंसी)। रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कट्टर विरोधी एलेक्सी नवलनी की अचानक मौत हो गई है। वे रुस की जेल में सजा काट रहे थे। इस मामले में यमालो-नेनेट्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट प्रशासन ने आधिकारिक बयान में बताया कि शुक्रवार को जेल में चहलकदमी के बाद नवलनी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। नवलनी की मौत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर पुतिन को जिम्मेदार ठहराया है।अपने बयान में बाइडेन ने कहा, आप जानते हैं, दुनिया भर के लाखों लोगों की तरह मैं भी सचमुच एलेक्सी नवलनी की कथित मौत की खबर से आश्चर्यचकित नहीं हूं बल्कि गुस्से में हूं। वह पुतिन सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार और हिंसा तथा अन्य सभी बुरे कामों के खिलाफ बहादुरी से खड़े होकर लड़ रहे थे। जवाब में पुतिन ने उन्हें गिरफ्तार कर जहर दे दिया। उस पर मनगढ़ंत अपराधों के लिए मुकदमा चलाया। उन्हें आइसोलेशन में रखा गया था। लेकिन जेल में भी एलेक्सी सच्चाई की एक सशक्त आवाज थे।

एलेक्सी नवलनी की मौत के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराते हुए बाइडेन ने कहा,2020 में जब उनकी हत्या का प्रयास हुआ था तो वह चाहते तो इसके बाद निर्वासन में सुरक्षित रूप से रह सकते थे, क्योंकि तब वह अपने देश में भी नहीं थे, लेकिन वह यह जानते हुए भी रूस लौट आए कि वहां या तो उन्हें कैद कर लिया जाएगा या उनकी हत्या हो सकती है। लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया क्योंकि वह अपने देश, रूस से प्यार करते थे और बहुत गहराई से विश्वास करते थे। उनकी मौत की खबर यदि सच है और मेरे पास इस पर विश्वास नहीं करने का कोई कारण नहीं है, तो रूसी अधिकारी अपनी कहानी खुद बताने जा रहे हैं। लेकिन कोई गलती न करें। नवलनी की मौत के लिए केवल पुतिन जिम्मेदार हैं।इससे पहले यमालो-नेनेट्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट प्रशासन ने आधिकारिक बयान में बताया कि शुक्रवार को जेल में चहलकदमी के बाद नवलनी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उन्होंने तबियत ठीक नहीं होने की जानकारी दी थी, जिसके बाद वे बेहोश हो गए थे। इसके बाद मेडिकल स्टाफ को बुलाया गया, लेकिन वह होश में नहीं आ पाए। हालांकि, अभी उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नवली को लेकर कई बार अफवाहें भी सामने आती रही हैं। इससे पहले 2020 में उन्हें साइबेरिया में जहर देकर मारने की भी खबर सामने आई थी। हालांकि, रूसी सरकार ने उन्हें मारने की कोशिशों से इनकार किया था। सरकार का कहा था कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उन्हें नर्व एजेंट से जहर दिया गया था।

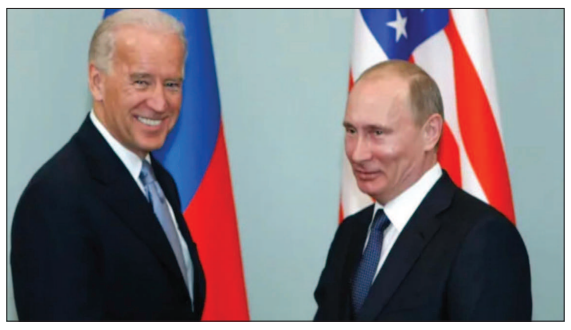

संपादकीय

जरा सोच तो लें....

दुनिया आपको इसलिए याद नहीं करती कि आपके पास बड़ा धन है अपितु इसलिए याद करती है कि आपके पास बड़ा मन है और आप सिर्फ अर्जन नहीं करते आवश्यकता पड़ने पर विसर्जन भी करते हैं । चिंतनीय बात है धन का संचय आपके मूल्य को घटा देता है और धन का सदुपयोग आपके मूल्य और यश को बढ़ा देता है ।धन से जितना आप चाहें, सुख के साधनों को अर्जित करें । बाकी बचे धन को सृजन कार्यों में, सद्कार्यों में, अच्छे कार्यों में लगाएं । संसार में सबसे ज्यादा दुखी, मनुष्य परिग्रह से है। मालूम होते हुए भी साथ में कुछ भी नहीं जाएगा। मुट्ठी बांधे आए हैं, हाथ पसारे जाएंगे फिर भी हम जोड़ने में लगे रहते हैं । जोड़ने के साथ विसर्जन करें तो हमारा जीवन सार्थक होगा नहीं तो बिना विसर्जन के सारा अर्जन व जीवन निरर्थक है। हम अर्जन जरूर करें परन्तु साथ में भगवान महावीर की तरह ऐसे त्यागें कि हमारा जीवन सुखमय हो जाए। त्याग कर्मों के बोझ को कम करता है, इसलिए हमारे अंदर अर्जन के साथ विसर्जन का साहस होना जरूरी है। हमारी संस्कृति में व्यक्ति को विनम्र रहना सिखाया जाता है।अपनी प्रशंसा होने पर सकुचाने का पाठ पढ़ाया जाता है। पर आज आधुनिकीकरण की दौड़ में यह संस्कृति लुप्त हो रही है और अपनी प्रशंसा पर गर्व करना माडर्न होने की निशानी मानी जा रही है। यह बात यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि स्व-प्रशंसा की प्रवृति भी बढती जा रही है। धीरे - धीरे यह आत्म-मुग्धता में परिवर्तित होती जाती है। वर्तमान में हमारे मनोवैज्ञानिक इसे मानसिक विकृति मानते हैं। ऐसे लोग स्व में ही केन्द्रित रहने लगते हैं।स्वयं को सबसे ऊपर और सर्वोत्तम समझने लगते हैं। अपनी प्रशंसा के अलावा वे और कुछ नहीं सुनना चाहते। दूसरे की चढ़ती सुन कर तो वो भड़क उठते हैं। उनका दृढ़ विचार होता है कि वे कभी गलत हो ही नहीं सकते। वही है सबसे ताकतवर और नाज है उसे अपनी ताकत पर तो जरा पूछें उससे क्या वह अपनी अर्थी भी खुद उठा सकता है , है वह इतना ताकतवर ?

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

माँ काली के उपासक थे रामकृष्ण परमहंस

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(18 फरवरी जयन्ती पर विशेष)

19 वीं शताब्दी में धार्मिक क्षेत्र में श्री रामकृष्ण परमहंस सबसे उंचे स्थान पर विराजमान थे। वह एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई। श्रीरामकृष्ण परमहंस के पास में अद्भुत शक्तिया थी। कहा जाता है की श्री रामकृष्ण परमहंस भगवान विष्णु के अवतार थे। उन्होंने सभी धर्मो को एक बताते हुए उनकी एकता पर जोर दिया था। उनका मानना था सभी धर्मो का आधार प्रेम हैं। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे। इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

इलेक्टोरल बांड : बड़ी अदालत का बड़ा फैसला.....

यूएई में स्वामीनारायण मंदिर

लोकमित्र गौतम

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में बोचासनवासी श्रीअक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वसंत पंचमी को किया। इससे पहले 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या के 'प्राण-प्रतिष्ठा' के भव्य कार्यक्रम में शामिल हुए थे। निस्संदेह, भारत विश्व परिदृश्य में बड़ी तेजी से एक सांस्कृतिक महाशक्ति बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले नौ सालों में अगर सातवीं बार संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर रहे तो इसके वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में खास मायने हैं। साथ ही हम दुनिया की एक स्वीकार्य सांस्कृतिक महाशक्ति भी बन रहे हैं। अबू धाबी में अबू मुरीखा में बना यह भव्य बीएपीएस मंदिर, भारत की उस ताकत को दर्शा रहा है, जो डॉलरों से परे है। दूसरे धर्मों के प्रति कट्टरता से अलगाव और उदासीनता का भाव रखने वाले संयुक्त अरब अमीरात में यह न सिर्फ पहला गैर-इस्लामिक पूजास्थल है बल्कि करीब 16 एकड़ में बने इस मंदिर की जमीन खुद यूएई सरकार ने उपलब्ध कराई है। वह भी भारत के साथ बेहतर आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों को प्रदर्शित करने के लिए बिलकुल मुफ्त। यह अकारण नहीं है कि आज भारत के बाद संख्या में सबसे ज्यादा हिंदू मंदिर अमेरिका में हैं। दुनियाभर में करीब 20 लाख हिंदू मंदिर हैं, जिनमें से करीब 6.5 लाख मंदिर भारत में हैं और बाकी दुनिया के सौ से ज्यादा देशों में प्रतिष्ठित हैं। सबसे ज्यादा मंदिर देश के भीतर तमिलनाडु में हैं तो विदेश में अमेरिका नंबर एक पर है। निस्संदेह, अतीत में भी हम एक बड़ी सांस्कृतिक ताकत रहे हैं, जिसका असर भू-राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों में ही देखने को मिलता रहा है। भारत के पास हमेशा से दूसरों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं तथा इतिहास से प्रभावित करने की क्षमता रही है। साहित्य, संगीत, सिनेमा, योग, अध्यात्म और लाखों तरह के भोजन, व्यंजनों में भारत की महारत हमेशा से दुनिया को चकित करती रही है। जिस ग्लोबलाइजेशन को 20वीं सदी का विचार माना जाता है, उस भूमंडलीकरण की सोच और धारणा भारत में वैदिक युग से रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम ' की अवधारणा भारत ने आज नहीं, 4000 साल पहले दी थी। वैश्विक ग्राम या विश्व नागरिक को लेकर दुनिया आज भी उस ऊंचाई तक नहीं सोच पाती, जिस ऊंचाई तक भारत में 4000 साल पहले सोच लिया गया था।आजादी के बाद भारत हमेशा से अपनी विदेशनीति में सांस्कृतिक ताकत को एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। दरअसल, भारत में करीब 90 साल तक चला अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आजादी का आंदोलन सही मायनों में एक विराट सांस्कृतिक आंदोलन ही था। वाल्मीकि रचित रामायण, कालीदास रचित महान नाट्य ग्रंथ और जनभाषा में रची गई रामचरितमानस, भारतीय साहित्य की वो थातियां हैं, जिनकी पूरी दुनिया मुरीद है। ऐसे में तब भारत की सांस्कृतिक ताकत सोने में सुहागा बन जाती है, जब पारंपरिक चिकित्सा, योग और भोजनकला में हमने असीमित विस्तार किये हों। भारत का राजनीतिक वर्ग हमेशा से इस बात को जानता

रहा है कि हम एक बड़ी सांस्कृतिक ताकत हैं, इसलिए साल 1950 में ही तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने एक मजबूत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की स्थापना करवा दी थी। यही वजह है कि भारत विभाजन के बावजूद दुनिया में एक सांस्कृतिक महाशक्ति है, वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश करीब-करीब सांस्कृतिक शून्यता के दौर में हैं। जबकि दोनों ही देशों के पास दो बड़ी क्षेत्रीय संस्कृतियां थीं। भारत आज न सिर्फ अतीत की अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का उन्मुक्त होकर प्रदर्शन कर रहा है बल्कि पूरी दुनिया लगातार हिंदुस्तान की इस दावेदारी को मान्यता दे रही है। 21 जून, 2015 को दुनियाभर में जिस तरह आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और साल 2014 में जिस भारी बहुमत से संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस की संकल्पना को ध्वनिमत से समर्थन दिया गया, वह नये दौर के भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय का गगनघोष था। भारत ने हाल के सालों में अपनी आध्यात्मिक परंपरा, योग का विस्तार किया है। करीब 600 बिलियन से भी ऊपर की योग की वैश्विक अर्थव्यवस्था में न सिर्फ भारतीयों को बहुत बड़ा लाभ हुआ है बल्कि भारत की सांस्कृतिक महत्ता और भारतीय सभ्यता के प्रति पूरी दुनिया में योग ने एक अलग तरह से सम्मान निर्मित किया है। निश्चित रूप से यह अकेले मौजूदा केंद्र सरकार की उपलब्धि नहीं है।

इसमें आजादी के बाद की सभी सरकारों का बराबर का योगदान भी शामिल है। लेकिन जिस तरह से मौजूदा सरकार ने एक कल्चरल मिशन के बतौर भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रचार प्रसार पिछले 10 सालों में किया है, वह प्रशंसनीय है।

विचार मंथन

आयकर रिटर्न देर से भरने पर कांग्रेस का बैंक खाता फ्रीज

(लेखक - सनत जैन)

- 135 करोड़ टैक्स

आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी के दो बैंक खातों के लेनदेन पर रोक लगाकर उन्हें फ्रीज कर लिया था। इसके बाद बड़ा हंगामा हुआ। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य एवं एडवोकेट विवेक तंखा ने ट्रिब्यूनल में गुहार लगाई। उसके बाद 21 फरवरी तक बैंक खाते के संचालन की अनुमति शर्तों के साथ कांग्रेस पार्टी को दी गई। ट्रिब्यूनल में अब इस मामले की सुनवाई 21 फरवरी को होगी। आयकर विभाग का कहना है, कांग्रेस ने अपनी रिटर्न निर्धारित तिथि के बाद जमा की थी। जिसके कारण आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी पर 135 करोड रुपए का टैक्स लगा दिया। कांग्रेस ने इसकी अपील की थी। नियम के मुताबिक आयकर विभाग ने जो टैक्स लगाया था, उसकी 20 फीसदी राशि अपील के लिए जमा करनी थी। कांग्रेस ने केवल 78 लाख रुपए जमा किए। जिसके कारण आयकर विभाग द्वारा अपील खारिज कर दी गई। 2023 में कांग्रेस ने दूसरी अपील की। अक्टूबर 2023 में कांग्रेस पार्टी ने 1. 72 करोड रुपए आयकर विभाग में अपील के लिए जमा कराए थे। अभी तक इस अपील का निस्तारण नहीं हुआ है। इसके बाद भी आयकर विभाग ने कांग्रेस के दो खाते फ्रीज कर,बैंक से निकासी पर प्रतिबंध लगा दिया। जिसके कारण कांग्रेस पार्टी ने जो चेक जारी किए थे। वह बैंक ने बिना भुगतान के वापस कर दिए। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में भूचाल आ गया। राजनीतिक दलों पर वैसे तो चंदे पर कोई आयकर नहीं लगता है। आयकर से राजनीतिक दलों को छूट प्राप्त है। आयकर कानून का पालन सभी राजनीतिक दलों को करते हुए, आयकर में हिसाब पेश करना होता है। पिछले 75 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल के खाते को आयकर विभाग ने फ्रीज किया है। कांग्रेस पार्टी ने आयकर विभाग के नियमों का पालन करते हुए रिटर्न भी जमा की थी। देरी से रिटर्न भरने पर जो टैक्स और ब्याज आयकर विभाग द्वारा लगाया गया था। उसकी अपील की गई थी। लोकसभा चुनाव के ठीक दो माह पहले जब राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। तब कांग्रेस पार्टी के खाते को फीज करना, सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। इसे जनतंत्र और लोकतंत्र पर सरकार का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। आयकर विभाग ने 2019 की आयकर रिटर्न 40 दिन देर से जमा करने के आरोप में कांग्रेस पार्टी पर टैक्स जुर्माना और ब्याज आरोपित किया है। 2019 में लोकसभा के चुनाव थे। आयकर ट्रिब्यूनल की अपील में कांग्रेस ने अपना पक्ष रखा है। अपील के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपए आयकर विभाग में जमा भी कराए हैं। इसके बाद भी लोकसभा चुनाव के ठीक दो माह पहले आयकर विभाग द्वारा खातों को प्रतिबंधित करने की जो कार्रवाई की गई है। वह राजनीति से प्रेरित बताई जा रही है। लोकसभा का चुनाव कांग्रेस पार्टी ना लड़ पाए। इसके लिए इसे सरकार की साजिश और कांग्रेस पार्टी पर चलाया गया भाजपा का ब्रह्मास्त्र भी माना जा रहा है। इस ब्रह्मास्त्र का मुकाबला कांग्रेस किस तरीके से करेगी। इस पर सभी की निगाहें हैं। कांग्रेस की ओर से अधिवक्ता विवेक तंखा ने आयकर अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपना पक्ष रखते हुए कहा, 2018-19 में कांग्रेस पार्टी को 199 करोड़ की आय हुई। कांग्रेस पार्टी ने इसी वित्तीय वर्ष में 197 करोड खर्च किए थे। आयकर रिटर्न की देरी को आधार बनाकर, आयकर विभाग ने समस्त आय पर गैर कानूनी तरीके से कांग्रेस पार्टी पर 102 करोड रुपए का मनमाना टैक्स, तथा 34 करोड रुपए का ब्याज आरोपित कर दिया। जो कानून एवं नियमों का दुरुपयोग है। आयकर विभाग की इस कार्रवाई के बाद, यह भी कहा जाने लगा है, सरकार ने पहले नोटबंदी करके उत्तर प्रदेश के चुनाव में राजनीतिक दलों को चुनाव के ठीक पहले आर्थिक संकट में डाला था। उसके बाद 2018 में चुनावी बॉन्ड को लाकर सरकार ने विपक्ष को लोकसभा चुनाव 2019 में पाई- पाई के लिए मोहताज कर दिया था। जिसका असर अभी भी राजनीतिक दलों पर पड़ रहा है। चुनावी बांड से सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है। जैसे ही सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड को असंवैधानिक मानते हुए उसे रद्द कर दिया है। उसके तुरंत बाद सरकार के इशारे पर आयकर विभाग ने कांग्रेस का बैंक खाता ही प्रतिबंधित कर दिया। चुनावी बांड से चंदा नहीं मिलने के कारण, कांग्रेस पार्टी ने ऑनलाइन चंदा एकत्रित करना शुरू किया था। सरकार ने अब कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों पर ही रोक लगा दी। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस अपनी कोई भी राजनीतिक गतिविधियों को संचालित नहीं कर पाए। इसका इंतजाम आयकर विभाग ने कर दिया है। कंपनियां तथा आम आदमी किसी राजनीतिक दल को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद चंदा ना दे।

बचपन

बच्चों क्या तुमने कभी सोचा है कि पैराशूट कैसे उड़ता है और इसके पीछे विज्ञान का कौन-सा नियम काम करता है। इसलिए पैराशूट को लेकर यह जानना जरूरी है कि इसके लिए (हवा प्रतिरोध) एयर रेसिस्टेंस कितने मायने रखता है। आजकल स्कूल में छुट्टियां चल रही हैं । घर में बैठे-बैठे बोर होने की जरूरत नहीं है, चलो जरा ये एक्सपेरीमेंट कर लें-

पैराशूट बनाकर छुट्टियों को बनाओ खास

ऐसे बनाओ पैराशूट

स्क्वायर के आकार में प्लास्टिक बैग काटो। कोनों को इस तरह मोड़ो जिससे यह आठ भुजाओं वाला बन जाए। इसके सभी किनारों पर छोटा-सा छेद करो। सभी आठों छेद में एक ही आकार के तार डालो।

इसके बाद तार के सभी टुकड़ों से भार के तौर पर प्रयोग की जाने वाली वस्तु को बांध दो। कुर्सी का प्रयोग करो या फिर छत से नीचे तुम अपने पैराशूट को छोड़ दो और जांच करो कि रिजल्ट क्या आता है। ध्यान रखना कि अपने पैराशूट को जितनी धीमी गति से हो सके, नीचे गिराओ।

सामग्री

सामग्री में कुछ खास नहीं प्लास्टिक बैग, कैंची, तार, भार के तौर पर छोटी वस्तु की जरूरत होगी।

रिजल्ट

अनुमान है कि तुम्हारा पैराशूट आराम से धीरे-धीरे नीचे उतरेगा। यदि तुम्हारे वस्तु का वजन ठीक-ठाक हो। जब तुम पैराशूट को नीचे छोड़ते हो, तो वजनी वस्तु खुद-ब-खुद नीचे आ जाएगी और तार की मदद से यह बड़े एरिया में फैल जाएगा। इससे एयर रेसिस्टेंट पैदा होगा और वह धीरे-धीरे नीचे आएगा।जितना बड़ा एरिया होगा, उतना व्यापक एयर रेसिस्टेंस होगा और उतना ही धीरे यह नीचे आएगा।

अब गैजेट्स खरीदने में नो कंफ्यूजन

बच्चो जब आप गैजेट्स फ्रेंडली बन ही गए है तो इन्हे खरीदने मे कैसा कन्फ्यूजन। जब भी स्मार्टफोन, आईपैड, टैबलेट, लैपटॉप या डेस्कटॉप जैसे गैजट खरीदने मार्केट जाते है, तो कई बार कंफ्यूजन मे पड़ ही जाते है। आपको समझ नही मे नही आता कैसा गैजेट्स खरीदना चाहिए। आइये हम बताते है गैजेट्स खरीदने के कुछ टिप्स

अगर आपको डेस्कटॉप, नोटबुक, नेटबुक और टैबलेट में से किसी एक को चुनना है तो इसमें कन्फ्यूज्ड होकर ज्यादा दिमाग इस्तेमाल करने की आपको कोई जरूरत नहीं हैं।जब आपको इस तरह की कंप्यूटर डिवाइस खरीदनी हो, तो इस बात का ख्याल रखें कि इसका इस्तेमाल कैसे और कहां करना है। अगर आप ज्यादा कंप्यूटिंग करते हैं, तो आपके लिए डेस्कटॉप या फिर लैपटॉप बेहतर रहेगा, क्योंकि इसमें मेमोरी ज्यादा होती है।लेकिन अगर आप सिर्फ इंटरनेट यूज करने या फिर इंटरटेनमेंट और फेंटेसी के लिए खरीदना चाहते हैं, तो आपके लिए नेटबुक या टैबलेट सही रहेगा।

कहां इस्तेमाल करना है

कोई भी नया गैजेट खरीदने से पहले उसकी पोर्टेबिलिटी के बारे में जरूर सोचना चाहिए। खासकर कंप्यूटर के बारे में तो खासतौर पर ऐसा करना चाहिए। अगर आप सिर्फ पोर्टेबिलिटी पर ध्यान देते हैं, तो डेस्कटॉप ज्यादा हैवी और बड़ा लगने लगता है। ऐसे में, स्वाभाविक है कि आपका ध्यान लैपटॉप पर जाएगा। हां, इस बात का जरूर ध्यान रखा जाना चाहिए कि लैपटॉप आपकी जरूरत को पूरा कर रहा है या नहीं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि पोर्टेबिलिटी के चक्कर में आप डेस्कटॉप की बजाय टैबलेट खरीद कर चले आएं और आपका काम अधूरा रह जाए। ऐसे में आपको पोर्टेबिलिटी और अपनी जरूरत के बीच बैलेंस बनाना होगा।

क्या आपको जरूरत है

आप कोई नया गैजट खरीदने का मन बनाते हैं, तो पहले आपको एक बार जरूर सोच लेना चाहिए कि क्या आपको उसकी जरूरत है या नहीं। हो सकता है कि आपकी पुरानी डिवाइस को ही रिपेयर करने या अपग्रेड करने से आपकी जरूरत पूरी हो जाए। दरअसल ऐसा कई बार देखने मिलता है कि हम अपने पुराने गैजट्स को बिना सोचे-समझे रिटायर कर देते हैं, जबकि उसे थोड़ा रिफ्रेश करने की ही जरूरत होती है।

मल्टी फंक्शनल गैजट

क्याआपको एक साथ टैबलेट, नेटबुक और आईफोन की जरूरत है? शायद नहीं। जब आप एक साथ तीन या चार गैजट्स खरीदने की सोचते हैं , तो एक बार मल्टी फंक्शनल गैजेट के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए। हालांकि एक बार ऐसा जरूर लगता है कि आईफोन भला कैसे सारी जरूरतों को पूरा कर देगा। लेकिन ऐसे कन्फ्यूजन से दूर रहना चाहिए। आपका स्मार्टफोन स्मॉल कंप्यूटिंग की जरूरत को पूरा करने में सक्षम है और बड़े कामों के लिए तो बड़ा लैपटॉप आपके पास है ही।

सर्विस ऑप्शन

जब भी आप कोई नया सामान खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में जरूर सोचते हैं। इसी तरह से जब आप गैजेट खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में भी सोचते हैं। मान लीजिए आपने आईपॉड खरीदा और वह वह गलती से टूट गया तो आप क्या करेंगे ? इसलिए आपको सर्विस प्लान और इंश्योरेंस के बारे में जरूर सोचना चाहिए। यह आपके लिए ज्यादा सस्ता और बेहतर विकल्प होगा बजाय इसके कि आप रिपेयर और रिप्लेसमेंट के चक्कर में फंसें।

बीरबल की खिचड़ी

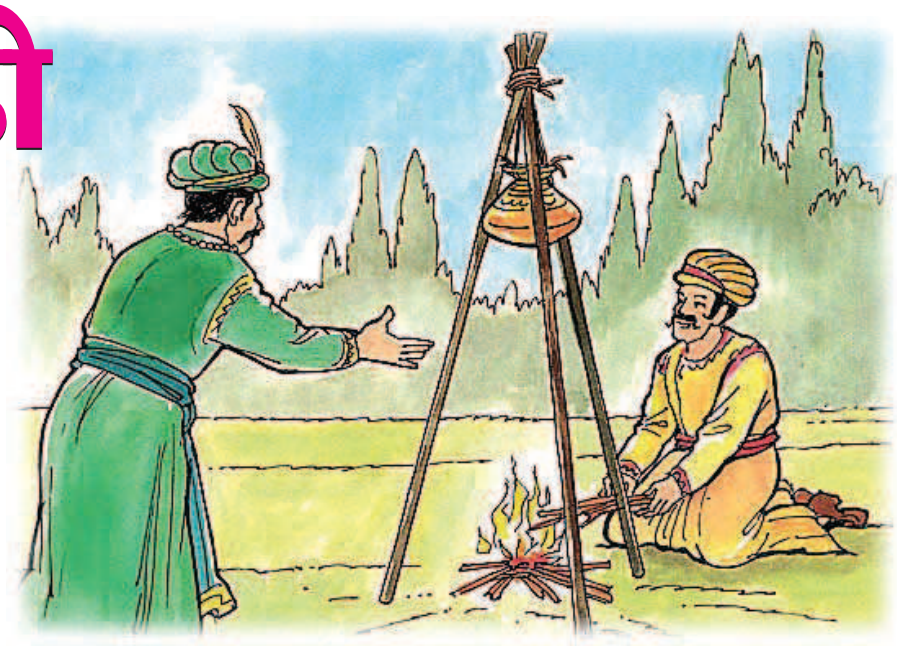

सर्दियों की दोपहर थी, ठंड अपने पूरे शबाब पर थी। ऐसे में अकबर व बीरबल धूप का आनन्द लेते हुए महल के सामने चहलकदमी कर रहे थे। तभी एक पंडित फटे-पुराने कपड़े लपेटे उनके निकट आया।

''तुम क्या चाहते हो ?'' अकबर ने पूछा।

''हुजूर मेरी सहायता करें।'' पंडित नमस्कार करने की मुद्रा में हाथों को एकाकार करता हुआ बोला, ''मैं बहुत गरीब आदमी हूँ। काम करना चाहता हूँ, पर ढंग का काम मिलता ही नहीं। जो भी थोड़ा-बहुत कमाता हूं, वह भोजन को भी पूरा नहीं पड़ता। अब मुझे अपनी पुत्री के विवाह के लिए एक हजार सोने के सिक्कों की जरूरत है। मैं अपनी इकलौती पुत्री को दहेज देना चाहता हूँ। आभूषण के अलावा कपड़े और बरतन आदि भी देने होंगे। घर पर लोगों को बुलाकर दावत भी देनी होगी। इसके लिए भी आटा, घी, तेल, मसालों व सब्जियों इत्यादि की जरूरत होगी।''

''भई, जब तुम्हारे पास पैसा नहीं है, तो आभूषण देने की क्या जरूरत है ? जब तुम्हें खुद के खाने को लाले पड़े हैं, तो लोगों को बुलाकर दावत देने की क्यों सोच रहे हो ?'' बादशाह ने पंडित से पूछा''यह तो मेरे जीवन की एकमात्र इच्छा है, जहांपनाह।'' पंडित बोला, ''मैं बेशक एक गरीब पिता हूँ, पर मेरे भी अरमान हैं कि अपनी इकलौती पुत्री की शादी धूमधाम से करूँ यदि आप मुझे धन कमाने का अवसर प्रदान करेंगे तो मैं आपका आभारी रहूंगा। इस समय मुझे अपनी लड़की के विवाह हेतु धन की बहुत आवश्यकता है।''

अकबर बोले, ''ठीक है, हम तुम्हें मौका देंगे कि तुम एक हजार सोने के सिक्के कमा सको। राजमहल की झील के पानी में तुम्हें रात भर खड़ा रहना होगा। सूर्योदय के बाद ही तुम पानी से बाहर निकलोगे।'

बादशाह के शब्द सुनकर बीरबल चिंतित हो उठा। उसे लगा कि वे उस गरीब पंडित के साथ जरूरत से यादा कठोर हो रहे हैं। उसका मानना था कि घोर सर्दी की रात में रात भर ठंडे चिलचिलाते पानी में खड़ा रह पाना संभव ही नहीं है। बेचारा सर्दी से ठिठुरकर दम तोड़ देगा।

लेकिन पंडित प्रसन्न था। वह सैनिकों के साथ राजमहल की झील की ओर बढ़ गया। थोड़ी ही देर बाद वह पानी में खड़ा था।

''यह पंडित तो ठंड के मारे मर जाएगा।''एक सैनिक ने बीरबल से कहा।

''मुझे क्या मालूम।'' बीरबल बोला, ''हो सकता है कि उसमें बर्दाश्त करने की शक्ति हो, पर मुझे लगता नहीं कि वह ऐसा कर पाएगा।''

लेकिन अगले दिन उन सभी की आशा के विपरीत वह पंडित हँसता-मुस्कुराता उनके सामने ठंडे पानी में खड़ा था। सूर्योदय हो चुका था। चेहरे पर विजय के भाव लिए वह पंडित झील के पानी से बाहर निकला।

''तुमने एक असंभव काम को संभव कैसे कर दिखाया ?''

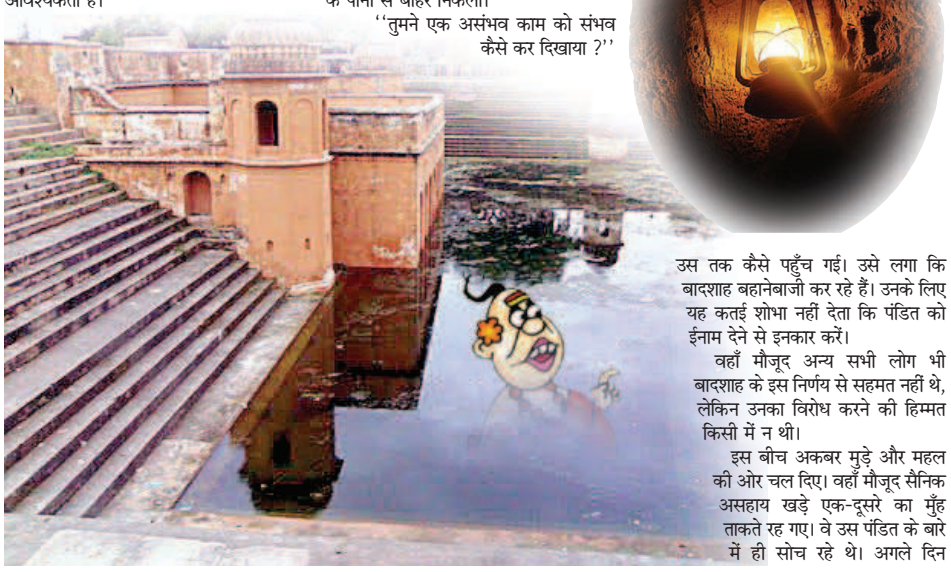

उस तक कैसे पहुँच गई। उसे लगा कि बादशाह बहानेबाजी कर रहे हैं। उनके लिए यह कतई शोभा नहीं देता कि पंडित को ईनाम देने से इनकार करें।

वहाँ मौजूद अन्य सभी लोग भी बादशाह के इस निर्णय से सहमत नहीं थे, लेकिन उनका विरोध करने की हिम्मत किसी में न थी।

इस बीच अकबर मुड़े और महल की ओर चल दिए। वहाँ मौजूद सैनिक असहाय खड़े एक-दूसरे का मुँह ताकते रह गए। वे उस पंडित के बारे में ही सोच रहे थे। अगले दिन बादशाह ने हैरानी से पूछा, ''यह बेहद कठिन काम था। तुम्हारी हिम्मत की दाद देनी होगी, हमें तो विश्वास ही नहीं हो रहा कि ऐसा भी हो सकता है। हमें बताओ कैसे किया तुमने यह सब ?''

''हुजूर ! इसमें रहस्य की कोई बात नहीं।'' पंडित बोला, ''मैंने सोच रखा था कि चाहे कुछ हो जाए, मुझे यह कर दिखाना है।''

''हम पूछ रहे हैं कि सारी रात ठंडे पानी में रह कर कैसे बिताई ?'' अकबर ने पूछा।

''मैं रातभर महल में जलती मोमबत्तियों की रोशनी को देखता रहा था।'' पंडित बोला।

''अच्छा तो यह बात है।'' अकबर बोले, ''तुम रात भर महल की रोशनियों से गर्मी लेते रहे। इसलिए तुम्हें ठंड महसूस नहीं हुई और रात तुमने आराम से गुजार दी। यह तो ईमानदारी न हुई, तुम ईनाम के हकदार नहीं हो। तुम अपने घर जा सकते हो।''

पंडित को विश्वास ही न हुआ कि वह जो सुन रहा है वह सच है।

यह सुनते ही पंडित को बेहद धक्का लगा। वह समझ नहीं पाया कि झील के ठंडे-ठिठुरा देने वाले पानी में रात भर खड़ा रहा और वहाँ से 100-125 गज दूर दिखने वाली रोशनी की गर्मी बीरबल बादशाह के पास गया और बोला, ''मैं खिचड़ी बनाना सीख रहा हूँ, जहांपनाह। कल आप मेरे घर पर तशरीफ लाएं, मैं आपके लिए विशेष रूप से खिचड़ी तैयार करूँगा।''

अकबर बहुत खुश हुए कि चलो बीरबल ने उन्हें खाने पर बुलाया तो सही।

अगले दिन अकबर जा पहुँचे बीरबल के घर। उनके साथ अन्य दरबारी भी थे। बीरबल ने सभी को फूल भेंट करके उनका स्वागत किया और उसके नौकर उन पर इत्र छिड़क रहे थे। उन्हें एक बड़े कमरे में ले जाकर बैठा दिया गया, जहाँ नरम गद्दे व तकिये बिछे थे। बड़े-बड़े हाथ के पंखे नौकर झल रहे थे।

इस दौरान अकबर मुस्कराते रहे। वे खुश थे कि बीरबल उनकी इतनी आवभगत कर रहा है।

बादशाह ने बीरबल के बारे में एक नौकर से पूछा तो जवाब मिला कि बाहर बगीचे में हैं।

जब उन्हें बैठे-बैठे दो घंटे बीत गए तो वे सभी परेशान हो उठे। बीरबल के घर से उनके लिए एक गिलास पानी तक न आया था।

अकबर को भूख के साथ प्यास भी सता रही थी।

''बीरबल कहाँ हैं ?'' बादशाह ने दोबारा पूछ ही लिया।

''बाहर, बगीचे में हैं।'' एक नौकर ने सादर कहा।

''एक घंटा पहले जब मैंने पूछा था, तब भी तुमने यही जवाब दिया था।'' अकबर बोले, ''आखिर वह बगीचे में क्या कर रहा है ?''

''बेअदबी की माफी चाहता हूँ हुजूर !'' नौकर बोला, ''वे बगीचे में आपके लिए खिचड़ी बना रहे हैं।''

सुनकर अकबर का पारा चढ़ गया, लगे नौकरों पर चीखने-चिल्लाने।

''फिर से माफी चाहूंगा हुजूर !'' नौकर बोला, '' मैंने आपको सब सच बताया है। वह बगीचे में खिचड़ी ही बना रहे हैं।''

''हमें उसके पास लेकर चलो।'' बादशाह बोले।

नौकर बादशाह के साथ बगीचे की ओर बढ़ चला, अन्य दरबारी भी साथ थे।

वहाँ एक ऊंचे खजूर के नीचे आग जलाए बैठा था बीरबल। पास ही लकड़ियों का ढेर पड़ा था।

''कहां है तुम्हारी खिचड़ी ?'' अकबर ने पूछा।

बीरबल चुपचाप उठा और पेड़ के ऊँचे सिरे की ओर उंगली से इशारा कर दिया। वहाँ पेड़ पर एक बरतन लटका हुआ था।

अकबर व उनके साथ आए अन्य दरबारियों ने गर्दन उठा कर पेड़ की ओर ताका।

''यह सब क्या है ? कहते हुए बादशाह का आसमान छूता गुस्सा साफ प्रतीत होता रहा था, ''हम लोग यहाँ भूख से मरे जा रहे हैं और तुम पेड़ पर लटका यह बरतन हमें दिखा रहे हो।'

''गुस्ताखी माफ करें हुजूर !'' बीरबल बोला, ''आपको कुछ देर और इंतजार करना होगा। मैंने चावल, दाल, प्याज व लहसुन आदि सब इस बरतन में डाल दिया है। आप देख ही रहे हैं कि आग में भी मैं बराबर लकड़िया डालता जा रहा हूँ। लेकिन मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि खिचड़ी बनने में इतना समय क्यों लग रहा है।''

वहाँ मौजूद सभी को यह सुनकर ऐसा लगा जैसे बीरबल का दिमाग चल गया है।

''तुम पागल तो नहीं गए हो बीरबल।'' बादशाह बोले, ''बरतन और आग के बीच 10-15 गज का फासला है। इतनी ऊँचाई पर टंगे बरतन तक आंच भला कैसे पहुँचेगी ?''

''मैं तो समझ रहा था कि नीचे जल रही आग की आंच बरतन तक पहुँच रही है।'' बीरबल बोला।

''बेसिर-पैर की बातें मत करो।''

गुस्से में लगभग चिल्लाते हुए बोले अकबर।

''खता माफ हो हुजूर !'' बीरबल बोला, ''ठंडे पानी में रात भर खड़े पंडित तक यदि 100-125 गज दूर स्थित रोशनी गर्मी पहुँचा सकती है तो मैंने तो पेड़ के 10-15 गज नीचे ही आग सुलगा रखी है। वह भला बरतन तक क्योंकर नहीं पहुँचेगी।''

बादशाह समझ गए कि बीरबल ने कहाँ चोट की है।

''अब मैं समझा तुम्हारी बात।'' अकबर बोले, ''हमारी कोई मंशा नहीं थी कि उस पंड़ित के साथ अन्याय करें, हमें अपने किये पर पछतावा है। हम तुम्हें वचन देते हैं कि उस पंडित को दो हजार सोने के सिक्के देंगे। उसे हमारे पास भेजो। हम तुम्हारे आभारी हैं कि तुमने हमारी आँखें समय रहते खोल दीं।''

अब बीरबल प्रसन्न था कि पंडित को उसका ईनाम मिल जाएगा, वह भी दोगुना होकरदो हजार सोने के सिक्के।

बीरबर बोला, ''मेरे साथ घर के अंदर चलें हुजूर ! मैंने आपके खाने की पूरी व्यवस्था कर रखी है। अनेक लजीज पकवान आपका इंतजार कर रहे हैं। हाँ, खिचड़ी भी बनी है आपके लिए।''

यह सुनकर सभी ठहाका लगा कर हंस दिए और बीरबल के घर में प्रवेश कर गए।

एलआईसी को आयकर विभाग से 21,740 करोड़ का रिफंड आदेश मिला

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को वित्तीय साल 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2016-17, 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए रिफंड आदेश प्राप्त हुए थे। रिफंड की कुल राशि 25,464.46 करोड़ थी। इस संबंध में आयकर विभाग ने 15 फरवरी को 21,740.77 करोड़ रुपये जारी किए हैं। एलआईसी ने कहा कि कॉर्पोरेशन आयकर विभाग के साथ संतुलन का प्रयास कर रहा है। 31 दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए एलआईसी का कर प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) 26,913 करोड़ रुपये था। वर्तमान अवधि के लाभ में उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर विशेष सवृद्धि से संबंधित 21,461 करोड़ रुपये की शुद्ध कर राशि शामिल है, जो नॉन पार फंड (नॉन पार्टिसिपेटिंग) से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित की गई है। 31 दिसंबर 2022 को समाप्त समान नौ महीने की अवधि के लिए प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 22,970 करोड़ रुपये था, जिसकी तुलना नहीं की जा सकती। इसमें वित्तवर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर विशेष वृद्धि से संबंधित 4,542 करोड़ रुपये की शुद्ध कर राशि शामिल थी, जिसे 30 सितंबर 2022 को नॉन पार्टिसिपेटिंग से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित किया गया था।

छोड़ी गई परियोजनाओं की लागत 15 ट्रिलियन पहुंची

नई दिल्ली । दिसंबर 2023 को समाप्त होने वाली चार तिमाहियों में छोड़े गए पूंजीगत खर्च प्रोजेक्ट की कीमत पूरे हुए प्रोजेक्ट से दोगुना से अे धिक हो गया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों से पता चलता है कि पूरी की गई परियोजनाएं कुल 6.9 ट्रिलियन रुपये की थीं, जबकि छोड़ी गई परियोजनाएं 15 ट्रिलियन रुपये की थीं। पूर्ण और छोड़ी गई परियोजनाओं के बीच 8.1 ट्रिलियन रुपये का यह अंतर निवेश चक्र में लगातार बना हुआ है। दिसंबर 2009 का सबसे पुराना डेटा बताता है कि पूरी हो चुकी परियोजनाओं का मूल्य छोड़ी गई परियोजनाओं की तुलना में थोड़ा कम था। छोड़ी गई परियोजनाओं में वे शामिल हैं जिन्हें छोड़ दिया गया है, बंद कर दिया गया है, रुकी हुई हैं, या जिनके बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। हाल के दिनों में, सरकार समर्थित छोड़ी गई परियोजनाओं का मूल्य प्राइवेट सेक्टर की तुलना में अधिक रहा है। यह प्राइवेट सेक्टर की कम गतिविधि के कारण हो सकता है या सरकार ने उन परियोजनाओं को छोड़ने का निर्णय लिया है जो ठीक नहीं थीं। दिसंबर 2023 को समाप्त चार तिमाहियों में, सरकार ने 8 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाएं छोड़ दीं, जबकि निजी क्षेत्र ने 7.1 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाएं छोड़ीं। दिसंबर 2023 में, छोड़ी गई परियोजनाएं 4.4 ट्रिलियन रुपये की थीं, जो दिसंबर 2019 में 2.5 ट्रिलियन रुपये थी। इसने छोड़ी गई बिजली परियोजनाओं को पीछे छोड़ दिया, जो महामारी से पहले दूसरी सबसे बड़ी कैटेगरी थी। दिसंबर 2019 से पहले छोड़ी गई बिजली परियोजनाएं कुल मिलाकर लगभग 5.3 ट्रिलियन रुपये थीं। दिसंबर 2019 में, सेवाओं की छोड़ी गई परियोजनाओं में सबसे बड़ी हिस्सेदारी 7.8 ट्रिलियन रुपये थी, जो तब से घटकर 4 ट्रिलियन रुपये हो गई है।

केंद्र सरकार ब्राजील से 20 हजार टन उड़द आयात करेगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दाल की बढ़ती कीमतों पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्राजील से 20 हजार टन उड़द दाल आयात करने का फैसला किया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने ब्राजील से 3000 टन उड़द का आयात किया है और इस साल 20,000 टन और आयात किया जा सकता है। सिंह ने नई दिल्ली में ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन सम्मेलन के मौके पर कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारे 1.4 अरब उपभोक्ताओं के लिए देश में भोजन किफायती मूल्य पर उपलब्ध हो। चूंकि हम मुख्य रूप से शाकाहारी देश हैं और आय का स्तर बढ़ रहा है, फलियों के माध्यम से प्रोटीन की खपत भी बढ़ रही है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हम केवल म्यांमार पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें अपने जोखिम में विविधता लानी होगी और हम ब्राजील और अर्जेंटीना में इसका उत्पादन करने के बारे में सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत ने 3.1 मिलियन टन दालों का आयात किया था। उनमें से लगभग आधे दालें थीं, जिनमें से अधिकांश कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से थीं। भारत लगभग 28 टन दालों का उत्पादन करता है, जिससे यह दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन जाता है।

क्रिप्टो करेंसी को मुद्रा नहीं माना जा सकता है: आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन ने कहा है कि क्रिप्टो करेंसी को मुद्रा नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं होता है। वासुदेवन ने यह बात भारतीय प्रबंध संस्थान-कोझिकोड में हाल ही में आयोजित एक परिचर्चा में कही। उन्होंने कहा कि आखिरकार निर्णय सरकार को यह लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए। आरबीआई ने बिटकॉइन जैसी नए जमाने की क्रिप्टो मुद्राओं को लेकर आलोचनात्मक रुख अपनाया हुआ है। उसका कहना है कि ये मुद्राएं वित्तीय प्रणालियों के लिए खतरा पैदा करती हैं। वर्तमान में बिटकॉइन को भारत में कोई कानूनी समर्थन नहीं है और निवेशकों को इसमें कारोबार से प्राप्त आय पर कर देना पड़ता है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई और कुछ अंतरराष्ट्रीय कार्ड प्रदाताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर वासुदेवन ने कहा कि स्व-नियमन वित्त-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा कर सकता है। इससे पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास भी कह चुके हैं कि क्रिप्टो करेंसी में निवेश बहुत जोखिम भरा है। उनका कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रिजर्व बैंक का स्टैंड नहीं बदलेगा। पिछले साल भी गवर्नर दास ने कहा था कि क्रिप्टो संपत्तियों पर आरबीआई प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जाएगी। आरबीआई ने क्रिप्टोकरेंसी से हमेशा सभी देशों की आर्थिक स्थिरता को गंभीर खतरा बताया है। इसलिए इसके खतरे को देखते हुए इस पर पहले लगाया गया प्रतिबंध हटाया नहीं जाएगा।

बंदरगाहों की दक्षता बढ़ाने सागर आकलन दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंदरगाहों की दक्षता बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने सागर आकलन दिशानिर्देश कर दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय बंदरगाह प्रदर्शन सूचकांक के तौर पर सागर आकलन दिशानिर्देश सभी भारतीय बंदरगाहों पर लागू होंगे। जहाजरानी मंत्रालय ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 में हुए समझौतों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए एक कार्य योजना भी बनाई है। बयान के मुताबिक भारतीय बंदरगाहों के प्रदर्शन की राष्ट्रीय मानक निर्धारण के लिए आयोजित बैठक में बंदरगाह प्रतिनिधियों ने सोनोवाल को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की प्रगति के बारे में बताया गया है। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के दौरान 8.35 लाख करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के साथ 360 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे और 1.68 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त निवेश-योग्य परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 617.23 अरब डॉलर रहा

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 9 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 5.24 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है जबकि इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.73 बिलियन डॉलर का उछाल देखने को मिला था। आरबीआई ने हाल ही में विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 622.469 बिलियन डॉलर रहा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक विदेशी करेंसी एसेट्स में भी भारी कमी आई है। विदेशी करेंसी एसेट्स 4.80 अरब डॉलर की कमी के साथ 546.52 बिलियन डॉलर पर आ गया है। आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में गिरावट देखने को मिली है। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 350 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 47.73 बिलियन डॉलर पर आ गया है। एसडीआर में भी गिरावट आई है और ये घटकर 55 मिलियन डॉलर घटकर 18.13 बिसियन डॉलर रहा है। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) में जमा रिजर्व में भी गिरावट आई है और ये 28 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 4.82 बिलियन डॉलर रहा है। 16 फरवरी 2024 को मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती देखने को मिली है। एक डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ 83.01 पर बंद हुआ है जो कि एक कारोबारी सत्र से पहले 83.05 रुपए पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से अधिक तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस और महिंद्रा एंड मे हिंद्रा में खरीदारी आने से निवेशकों को समर्थन मिलने से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे कारोबारी दिन साप्ताहिक आधार पर आधा फीसदी से अधिक तेजी दर्ज की गई और शेयर बाजार लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। हालों कि सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई लेकिन बाकी चार दिनों मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को बाजार में तेजी बरकरार रही। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 170.89 अंकों की गिरावट के साथ 71,424.60 पर खुला और 523.00 अंकों की गिरावट के साथ 71,072.49 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 55.21 अंक टूटकर 21,727.30 के स्तर पर खुला और 166.46 अंक टूटकर 21,616.05 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार से मिले-जुले संकेतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 317.10 अंकों की मजबूती के साथ 71,377.08 पर खुला और 482.70 अंकों की बढ़त के साथ 71,555.19 पर बंद हुआ। निफ्टी 60.41 अंक उछलकर 21,686.45 पर खुला और निफ्टी 127.21 अंक मजबूत होकर 21,743.25 के स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 733 अंक फिसलकर 71000 पर खुला और 277.98 अंकों की बढ़त के साथ 71,833.17 पर बंद हुआ। निफ्टी 173.41 अंक फिसलकर 21,569.85 पर खुला और 96.80 अंकों की मजबूती के साथ 21,840.05 पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता दिखा। ऐसे तो बाजार में कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर हुई पर कुछ समय बाद बाजार में बिकवाली आनी शुरू हो गई जिससे बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में पहुंच गए।

सेंसेक्स 53.16 अंक मजबूत होकर 71,896.42 पर खुला और 227.55 अंकों की बढ़त के साथ 72,050.38 पर बंद गया। निफ्टी 32.11 अंक मजबूत होकर 21,872.15 पर खुला और 70.71 अंक मजबूत होकर 21,910.75 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई है।

सेंसेक्स 306 अंकों की बढ़त के साथ 72,356 पर खुला और 376.26 (0.52 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 72,426.64 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 90 अंकों की बढ़त के साथ 22,000 पर खुला और 129.96 (0.59 फीसदी) अंक मजबूत होकर 22,040.70 पर पहुंचकर बंद हुआ।

किसान आंदोलन से उत्तरी राज्यों को प्रतिदिन 500 करोड़ का नुकसान: पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली ।

उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा कि किसान आंदोलन के लंबा चलने से उत्तरी राज्यों में भारी नुकसान होने की आशंका है और इससे प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होगा। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन से प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा और उत्तरी राज्यों मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के चौथी तिमाही के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग मंडल देश में सभी के कल्याण के लिए आम सहमति के साथ सरकार और किसानों दोनों से मुद्दों के शीघ्र समाधान की आशा करता है। किसानों का आंदोलन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के व्यवसायों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उत्पादन प्रक्रियाओं को निष्पादित करने और उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए ऐसी इकाइयों का कच्चा माल बड़े पैमाने पर अन्य राज्यों से खरीदा जाता है।

सबसे बड़ी मार पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के एमएसएमई पर पड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की संयुक्त जीएसडीपी मौजूदा कीमतों पर 2022-23 में 27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इन राज्यों में लगभग 34 लाख एमएसएमई हैं जो अपने संबंधित कारखानों में लगभग 70 लाख लोगों को रोजगार देते हैं।

पेटीएम यूजर्स को 15 मार्च के बाद नहीं होगी परेशानी!

मुंबई ।

मुसीबतों का सामना कर रही पेटीएम ने अपने नोडल अकाउंट यानी मुख्य खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार देर शाम को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर 29 फरवरी के बाद रोक लगाने का फैसला किया था। हालांकि अब इसमें 15 दिन की मोहलत दी गई है लेकिन इस बीच पेटीएम ने अपने नोडल (मुख्य) खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम का नोडल अकाउंट एक मास्टर खाते की तरह है जिसमें उसके सभी ग्राहकों और व्यापारियों के लेनदेन का निपटान किया जाता है। कंपनी ने यह फैसला पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खातों में जमा एवं लेनदेन 15 मार्च के बाद रोकने के आरबीआई के निर्देशों के बाद उठाया है। पेटीएम अपनी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के पास अपने मुख्य खाते का संचालन करती रही है लेकिन आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के सुचारू संचालन को लेकर भी सवाल उठने लगे थे लेकिन वन97 कम्युनिकेशंस के मुख्य खाता हटाकर एक्सिस बैंक के पास ले जाने से स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। इस फैसले से 15 मार्च के बाद भी पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन की निरंतरता को अनुमति मिल जाएगी।

45 ऑटोमोटिव ब्रांडों की भागीदारी के साथ ऑटोमोटिव दुनिया में नवीनतम नवाचारों, रुझानों और प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए वार्षिक 2024 कैनेडियन इंटरनेशनल ऑटो शो टोरंटो में शुरू हुआ।

आईबीबीआई ने समाधान प्रक्रिया सुव्यवस्थित, पारदर्शी बनाने मानदंडों में संशोधन किया

नई दिल्ली ।

भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड ने कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया मानदंडों में संशोधन किया है। इसमें समाधान के दौर से गुजर रही प्रत्येक रियल एस्टेट परियोजना के लिए अलग-अलग खाते रखना अनिवार्य बनाना शामिल है। इसके अलावा कर्जदाताओं की समिति समाधान योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक निगरानी समिति का गठन कर सकेगी। इन संशोधनों का मकसद समाधान प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। संशोधित मानदंडों के अनुसार पारदर्शिता बढ़ाने और मूल्यांकन से संबंधित मुद्दों पर विवाद को कम करने के लिए सीओसी (कर्जदाताओं की समिति) के सदस्यों को मूल्यांकन पद्धति समझाने का प्रावधान है। आईबीबीआई ने यह भी कहा कि प्रक्रिया में सूचित भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उचित मूल्य को सूचना ज्ञापन का हिस्सा बनाया जा सकता है। सीओसी को ऐसी जानकारी साझा न करने का निर्णय लेने की भी स्वतंत्रता होगी, जहां इस तरह का खुलासा समाधान के लिए फायदेमंद नहीं है। नियामक ने कहा कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के संबंध में सीओसी प्रत्येक परियोजना के लिए अलग समाधान योजना मांग सकती है।

मनरेगा योजना ने पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन अंतर कम किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

ग्रामीण, शहरी रोजगार और वेतन अंतर पर हाल ही में एक रिपोर्ट के अनुसार मनरेगा योजना ने पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन अंतर को कम किया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी नियमों के पालन में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में पाया गया कि रोजगार गारंटी कार्यक्रम के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में वेतन पाने वाले श्रमिकों और आकस्मिक श्रमिकों के बीच वेतन अंतर कम हुआ है। वित्त मंत्रालय ने ग्रामीण भारत की मजदूरी में एक चिंताजनक ट्रेंड देखा है। मुद्रास्फीति और ग्रामीण मासिक वेतन सूचकांक को देखकर उन्होंने पाया कि हाल के सालों में ग्रामीण मजदूरों की क्रय शक्ति कम हो रही है। यानी कि भले ही वेतन वही रहे, लोग कम चीजें खरीद रहे हैं क्योंकि कीमतें बढ़ रही हैं। इसे आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में हाइलाइट किया गया था, जिसमें अप्रैल से नवंबर 2022 तक उच्च मुद्रास्फीति के कारण वास्तविक ग्रामीण मजदूरी में गिरावट देखी गई थी। एक अध्ययन ने 58 देशों के आंकड़ों की जांच की और पाया कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोगों के पास नौकरियां हैं, लेकिन इन नौकरियों में अक्सर खतरा ज्यादा होता है क्योंकि खतरों को कवर करने के लिए श्रम सुरक्षा की कमी है। साथ ही कम भुगतान किया जाता है। अध्ययन में पाया गया कि शहरी श्रमिकों की तुलना में ग्रामीण श्रमिकों को प्रति घंटे लगभग 24 फीसदी कम भुगतान किया जाता है और इस अंतर का केवल आधा हिस्सा शिक्षा और नौकरी के अनुभव जैसे कारकों द्वारा समझाया जा सकता है। इस अंतर को दूर करने के लिए, न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करना और संस्थागत और नियामक उपायों के माध्यम से समान अवसरों को बढ़ावा देना ग्रामीण और शहरी श्रम बाजारों के बीच असमानताओं को कम करने में मदद कर सकता है।

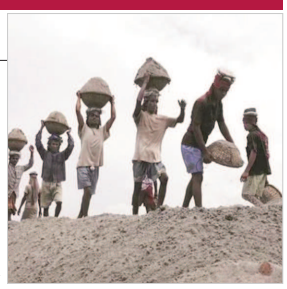

हाइब्रिड कारों को भी बढ़ावा दिया जाए: भार्गव

नई दिल्ली ।

मारुति सुजूकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा है कि कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों के बीच चयन करने की जरूरत नहीं है और यदि सरकार अपना उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करना चाहती है, तो ये दोनों महत्त्वपूर्ण और पूरक भूमिका निभा सकती हैं। साल 2024 की अंतिम तिमाही में हाइब्रिड कारों की बिक्री इलेक्ट्रिक कारों की तुलना में अधिक रही है। भार्गव ने कहा कि इलेक्ट्रिक बनाम हाइब्रिड की बात कभी नहीं रही है। दोनों की स्पष्ट भूमिका है। हमें उम्मीद है कि साल 2030 तक इलेक्ट्रिक कार की पैठ लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। लेकिन 80 प्रतिशत कारें अभी भी तेल-गैस इंजन वाली होंगी। सरकार को इन तेल-गैस इंजन वाली कारों का बड़ा हिस्सा हाइब्रिड में बदलने का प्रयास करना चाहिए ताकि कुल कार्बन उत्सर्जन में कमी आए। लेकिन सरकार ने कभी भी देश में हाइब्रिड कारों को बढ़ावा नहीं दिया। इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगाए गए पांच प्रतिशत जीएसटी के बजाय तेल-गैस इंजन वाली कारों जैसी हाइब्रिड कारों पर 43 प्रतिशत जीएसटी कर लगाने की नीति रही है। हाइब्रिड कारें फेम-2 की सब्सिडी के लिए पात्र भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कार की कीमत अधिक हो जाती है, क्योंकि उस पर तेल-गैस इंजन वाले मॉडल की तरह कर लगाया जाता है, न कि किसी इलेक्ट्रिक वाहन की तरह। जब तक करों में कमी नहीं आती, तब तक यह अनुमान लगाना मुश्किल होगा कि साल 2030 तक तेल-गैस इंजन वाली कारों का कितना हिस्सा हाइब्रिड में स्थानांतरित हो सकता है।

काइल जैमीसन को लगा बड़ा झटका, एक साल नहीं खेल पाएंगे क्रिकेट

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन लगभग एक साल के लिए बाहर हो गए हैं। खबर है कि उनकी पीठ में एक और स्ट्रेस फ्रैक्चर आ गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के बाद स्कैन में उसी स्थान पर एक नई चोट दिखाई दी, जहां पिछले साल जैमीसन का ऑपरेशन किया गया था। चोट की प्रकृति का मतलब है कि उन्हें आगे की सर्जरी नहीं करानी पड़ेगी लेकिन चोट को ठीक होने का सबसे अच्छा मौका देने के लिए आराम और पुनर्वास की अवधि की आवश्यकता होगी। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को जैमिसन के लिए बहुत बुरा लगा। उन्होंने कहा, हम सभी ने देखा है कि जैमिसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए कितनी मेहनत की है और उनके लिए इस तरह का झटका मिलना बहुत कठिन समय है। सकारात्मक पक्ष पर हम जानते हैं कि वह न्यूजीलैंड के लिए क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए कितना दृढ़ है और हम आगे पुनर्वास पथ पर पूरी तरह से उसके साथ रहेंगे। उनका संकल्प कम नहीं हुआ है। वहीं जेमिसन ने अपने एक बयान में कहा कि हालांकि यह खबर कठिन थी, लेकिन खेल में वापसी करने का उनका दृढ़ संकल्प डगमगाया नहीं।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट : भारत मजबूत स्थिति में

- यशस्वी जयसवाल का शतक, भारत की कुल बढ़त 322 रनों की

राजकोट ।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में 126 रन की बढ़त के बाद यशस्वी जायसवाल के शतक की बदौलत दो विकेट के नुकसान पर 196 रन बना लिए हैं और अब भारत ने कुल बढ़त 322 की कर ली है। इस समय शुभमन गिल 66 और कुलदीप यादव 3 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। यशस्वी जयसवाल 104 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए, वहीं रजत पाटीदार दूसरी पारी में भी कुछ नहीं कर सके उन्होंने 10 गेंदों का सामना किया और अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट तथा टॉम हार्टले ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने टेस्ट के तीसरे दिन 207/2 के स्कोर के आगे खेलना शुरु किया और पूरी टीम 319 रन पर ढेर हो गया। अपनी पहली पारी इंग्लैंड की टीम 71.1 ओवर में 319 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से बेन डकेट ने 151 गेंदों पर 153 रन बनाए जिसमें 23 चौके और 2 छक्के शामिल थे। डकेट के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज इतना शानदार प्रदर्शन नहीं कर सका। उनके अलावा कप्तान बेन स्टोक्स ने 41 रन और ऑली पॉप ने 39 रन बनाये।

वहीं भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 4 विकेट

अपने नाम किए। मोहम्मद सिराज के अलावा कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट झटके जबकि जसप्रीत बुमराह और रवि आश्विन को एक-एक विकेट मिला।

कुलदीप यादव (77 रन देकर दो विकेट) ने लय हासिल कर भारत को तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के पहले सत्र में दबदबा बनाने में मदद की जिससे इंग्लैंड की टीम शनिवार को लंच तक पांच विकेट पर 290 रन बनाकर जूझ रही थी। हालांकि, लंच के बाद जडेजा तो बेन स्टोक्स को जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच करवा भारत की मैच में मजबूत वापसी कर दी। इसके अलग ही ओवर की पहली गेंद पर बेन फॉक्स भी आउट हो गए। इंग्लैंड के 224 रन के स्कोर पर सिर्फ दो विकेट गिरे थे जिसके बाद अगले 95 रनों में पूरी टीम पेवलियन लौट गई।

यशस्वी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की ली जमकर खबर

नई दिल्ली ।

शानदार फॉर्म में चल रहे युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने तीसरे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। यशस्वी के दूसरी पारी में शानदार शतक की बदौलत भारतीय टीम बड़ी बढ़त की ओर अग्रसर है। पहली पारी में 10 रन बनाने वाले यशस्वी ने दूसरी पारी में 122 गेंदों पर 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से टेस्ट करियर का तीसरा शतक ठोंक दिया। यशस्वी इस समय बेजोड़ फॉर्म में हैं। दूसरे विकेट के लिए उन्होंने शुभमन गिल के साथ 100 से ज्यादा रन की साझेदारी की। जायसवाल का यह 29 पारियों में चौथा इंटरनेशनल शतक है। शतक से पहले उन्होंने शुरुआती 35 रन 73 गेंदों पर बनाए जबकि इसके बाद आखिरी 49 गेंदों पर 75 रन ठोक दिए।

इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर ढेर होने के बाद भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा 19 गेंदों पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। रोहित को पार्ट टाइम स्पिनर जो रूट ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। पहला विकेट 30 के स्कोर पर गिरने के बाद यशस्वी को शुभमन गिल का साथ मिला। दोनों ने मिलकर पारी को संभाला। एक ओर जहां यशस्वी ने आक्रामक रुख अख्तियार किया वहीं दूसरे छोर पर गिल एक एक रन लेकर अपने साथी को स्ट्राइक देते रहे। नतीजतन भारतीय टीम इस समय अच्छी स्थिति में पहुंच गई है। जायसवाल ने विशाखापत्तन में सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने पहली पारी में 209 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में वह 17 रन बनाकर आउट हुए थे। हैदराबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच भारत ने बेशक गंवा दिया हो लेकिन वहां भी यशस्वी ने पहली पारी में 80 रन बनाए थे वहीं दूसरी पारी में वह 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। इस टेस्ट मैच की पहली पारी में मेहमान टीम की ओर से ओपनर बेन डकेट ने 153 रन की पारी खेली। साल 2000 के बाद भारत में टेस्ट मैचों में यह किसी बल्लेबाज का सबसे तेज 150 रन की पारी है।डकेट ने 151 गेंदों में यह पारी खेली।

अमेरिका की महिलाओं ने आठवीं बार विश्व वाटर पोलो खिताब जीता

दोहा,

संयुक्त राज्य अमेरिका की महिला वाटर पोलो टीम ने शुक्रवार को विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल मैच में हंगरी को 8-7 से हराकर अपना आठवां विश्व खिताब हासिल किया। चौथे क्वार्टर में आगे बढ़ते हुए, फ़ाइनल 5-5 पर गतिरोध पर था। हालाँकि, अमेरिका ने राचेल फट्टल, मैगी स्टीफ़ेंस और रयान नेशुल के महत्वपूर्ण गोलों से रैली की, जिससे उन्हें 8-5 की बढ़त मिल गई। हंगरी की देर से वापसी के बावजूद, अमेरिका ने 8-7 के अंतिम स्कोर के साथ जीत सुनिश्चित की। यह जीत पिछले छह विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में संयुक्त राज्य अमेरिका के पांचवें खिताब का भी प्रतीक है, जिसने वाटर पोलो में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। इससे पहले दिन में स्पेन ने ग्रीस को 10-9 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

ज्योति ने स्वर्ण पदक के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

तेहरा।

ज्योति याराजी ने शनिवार को एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में 60 मीटर बाधा दौड़ में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। याराजी ने फाइनल में आश्चर्यजनक रूप से 8.12 सेकंड का समय लेकर जीत की ओर कदम बढ़ाया। ज्योति याराजी अब 60 मीटर बाधा दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड छह बार तोड़ चुकी हैं। ज्योति ने पिछले साल 8.20 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था, फिर इसे चार बार हराकर 8.13 सेकंड में पूरा किया। ज्योति ने दिन की शुरुआत में अपनी गर्मी पर काबू पाते हुए 8.22 सेकंड का समय रिकॉर्ड किया। ज्योति ने प्रतियोगिता के अंतिम चरण में खुद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। इससे पहले, हरमिलन बैंस ने भी 1500 मीटर फाइनल में 4:29.55 के समय के साथ फिनिश लाइन पार करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। उनके शानदार प्रदर्शन ने ट्रैक पर भारत के प्रभुत्व की नींव रखी। भारत ने पिछले साल पहले ही बेहतर प्रदर्शन किया है, जब केवल ज्योति याराजी स्वर्ण पदक लेकर लौटीं, पहले दिन दो स्वर्ण पदक जीते। मैदानी स्पर्धाओं में शैली

सिंह और नयना जेम्स ने लंबी कूद के फाइनल में अपना कौशल दिखाया और सराहनीय प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पांचवां और छठा स्थान हासिल किया।

हालांकि पोडियम से पीछे रहने के बावजूद, उनके प्रयासों ने भारत की तालिका में मूल्यवान अंक जोड़े। अजय कुमार सरोज (1500 मीटर), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), धनवीर (शॉट पुट), और तेजस शिरसे (60 मीटर बाधा दौड़) शाम के सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने जम्मू-कश्मीर में बैट फैक्ट्री का किया दौरा

श्रीनगर। क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा शहर में एक क्रिकेट बैट निर्माण कारखाने का दौरा किया। पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ सचिन ने अनंतनाग जिले के अवंतीपोरा के चेरसू इलाके में एमजे क्रिकेट बैट निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया। फैक्ट्री का स्वामित्व दो भाइयों - मंजूर अहमद और जावेद अहमद के पास है, जो चेरसू क्षेत्र से हैं। सचिन ने प्रसिद्ध कश्मीर विलो बैट की निर्माण प्रक्रिया में विशेष रुचि दिखाई। चमगादड़ उच्च गुणवत्ता के माने जाते हैं जो अपनी कठोरता, टिकाऊपन और मजबूती के लिए जाने जाते हैं।

बेटे को टेस्ट कैप पहना देखकर माता-पिता हुए भावुक

आगरा । भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। भारत की पहली पारी 445 रन पर खत्म हो गई। फिलहाल इंग्लैंड की पहली पारी जारी है। टेस्ट सीरीज में आगरा के युवा विकेटकीपर और बल्लेबाज ध्रुव जुरैल ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया है। इधर, बेटा के टेस्ट कैप पहना देखकर उनके माता-पिता भी भावुक हो गए। पहली पारी में ध्रुव ने शानदार 46 रनों की पारी खेली। कई पूर्व क्रिकेटर उनके टेम्परामेंट की लगातार तारीफ कर रहे हैं। ध्रुव के पिता नेम सिंह जुरैल ने कहा कि उनके बेटे ने अच्छी पारी खेली है। उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनका बेटा टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करेगा। डेब्यू में खिलाड़ी नर्वस होते हैं, लेकिन मुझे दिखाई नहीं दिया कि ध्रुव नर्वस है। बड़ी खुशी है कि बेटा टेस्ट सीरीज में शामिल हुआ है। सुबह से ही वह उसकी लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे थे। मथुरा में बांके बिहारी के दरबार में भी पूजा करने गए थे। ध्रुव की मां रजनी ने बताया कि उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई। सुबह उठते ही पूजा अर्चना करने में जुट गईं। बेटे को टीवी पर खेलता हुआ देखना उनका सपना था। जो आज पूरा हो गया। हालांकि वह ज्यादा देर तक टेस्ट मैच नहीं देख पाई क्योंकि बेटे को खेलते देख अलग सी घबराहट होती है कि कहीं आउट ना हो जाए। जब तक बेटा मैच खेलता रहा तब तक वह भगवान के सामने हाथ जोड़कर घर में ही पूजा करती रही।

मनोज तिवारी ने रणजी ट्रॉफी मैच के बाद सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

कोलकाता ।

पूर्व भारतीय और बंगाल क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बिहार के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। 2004 में बंगाल के लिए पदार्पण करने वाले तिवारी ने 48.56 की औसत से लगभग 10,000 प्रथम श्रेणी रन, 29 शतक और 45 अर्धशतक बनाए।

42.28 के औसत से उन्होंने 169 लिस्ट ए गेम्स में 5581 रन बनाए हैं।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में तिवारी ने कहा, सभी को नमस्कार, तब... यह एक आखिरी पारी का समय है! संभवतः अपने प्रिय 22 गज की ओर लंबी सैर के लिए आखिरी बार। मुझे इसकी हर चीज याद आएगी! उन्होंने कहा, कई सालों तक मुझे प्रोत्साहित करने और प्यार करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। अगर आप सभी कल और परसों मेरे पसंदीदा ईडन गार्डन में बंगाल का उत्साह बढ़ाने आए तब अच्छा लगेगा। क्रिकेट का एक वफादार सेवक, आपका मनोज तिवारी।

2011 और 2012 में कुछ मौके मिलने से पहले, 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद तिवारी को तीन साल लंबा इंतजार करना पड़ा। दिसंबर 2011 में चेन्नई में, उन्होंने अपने 12 मैचों के एकदिवसीय करियर में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना एकमात्र शतक बनाया।

2014 में, फिर बाहर होने और कई चोटों से जूझने के बाद उन्हें बांग्लादेश में एक वनडे के लिए वापस बुलाया गया। उन्होंने अपनी अंतिम श्रृंखला उसी वर्ष जुलाई में जिम्बाब्वे में खेली। तिवारी आईपीएल में पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स (पूर्व में दिल्ली डेयरडेविल्स) और राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिए खेल चुके हैं। भारतीय क्रिकेट में तिवारी की यात्रा उतार-चढ़ाव के एक रोलरकोस्टर की तरह है, जो दुर्भाग्यपूर्ण असफलताओं से घिरे वादे के क्षणों से चिह्नित है। बंगाल से आने वाले, घरेलू क्रिकेट में तिवारी के शुरुआती कारनामों ने ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से 2006-07 रणजी ट्रॉफी में उनके शानदार प्रदर्शन कर 99.50 की औसत से 796 रन बनाए और साथ ही कई रिकॉर्ड भी तोड़े।

भाग्य के एक क्रूर मोड़ में, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने पहले मैच की संध्या पर क्षेत्ररक्षण अभ्यास के दौरान तिवारी को कंधे में गंभीर चोट लगी।

दोहरा शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बनी अनाबेल

पर्थ ।

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड ने महिला टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक लगा दिया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन 248 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। इसके पहले सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की ही केरेन रोल्टन के नाम था, जिन्होंने 2001 में लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 306 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया था। 22 साल की अनाबेल 256 गेंद में 210 रन बनाकर आउट हुईं। उनके दोहरे शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी 9 विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित की जो महिला टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 76 रन पर ढेर हुई थी। दूसरी पारी में भी द.अफ्रीका ने दिन का खेल खत्म होने तक 67 रन पर 3 विकेट गंवा दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी के आधार पर 432 रन से पिछड़ रहा है। अनाबेल हालांकि एलिस पैरी के 2017 में बनाए नाबाद 213 के ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने से चार रन से चूक गईं। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी अनाबेल ने शुरुआती 35 गेंद में सिर्फ 7 रन बनाए लेकिन लय में आने के बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर 27 चौके और 2 छक्के मारे। महिला टेस्ट क्रिकेट में अनाबेल से बड़ी व्यक्तिगत पारियां पाकिस्तान की किरण बलूच (242), भारत की मिताली राज (214) और एलिस ने ही खेली हैं। अनाबेल साथ ही दोहरा शतक जड़ने वाली ऑस्ट्रेलिया की सबसे युवा खिलाड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे युवा बल्लेबाजी बनीं। वह दोहरा शतक जड़ने वाली दुनिया की 9वीं बल्लेबाज हैं।

अश्विन 500 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली । भारत के स्टार स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ रोजकोट टेस्ट में बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की। अश्विन सबसे तेज 500 टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद अश्विन ने जो बात कही उसने हर किसी को हैरान कर दिया।उन्होंने एक शख्स के बारे में बात की जिनको उनके हर मैच में हार्ट अटैक आता है। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला आर अश्विन के लिए बेहद यादगार बन गया। वह 500 विकेट लेने वाले दिग्गज गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हुए। इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 1 विकेट लेने के साथ ही उन्होंने यह खास उपलब्धि हासिल की।हालांकि दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्होंने निजी कारणों से मैच को बीच में छोड़कर घर लौटने का फैसला लिया.राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद अश्विन ने कहा।÷यह जो मेरा सफर है काफी लंबा रहा है। सबसे पहले मैं अपनी इस कामयाबी को पिता को समर्पित करना चाहूंगा।वो एक ऐसे शख्स हैं जिनका साथ मुझे मेरे अच्छे हो बुरे जीवन के हर मोड़ पर मिला।

गुजरात जायंट्स ने जर्सी का अनावरण किया

सीजन 2 के लिए तैयारी शुरू की

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में शुरू होने वाले डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन से पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाले गुजरात जायंट्स ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जर्सी का अनावरण करने की तैयारी शुरू कर दी है। गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर और मेंटर मिताली राज समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने शाम को प्रशिक्षण से पहले टीम को नई जर्सी प्रदान की। द जाइंट्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलियाई रन-मशीन बेथ मूनी करेंगी, जबकि भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा उप-कप्तान होंगी।

इस सीजन के डब्ल्यूपीएल की तैयारी में, नारंगी रंग की टीम ने बेंगलुरु के गार्डन सिटी में बड़े उत्साह के साथ प्रशिक्षण शुरू किया, और जैसे-जैसे वे अपने पहले गेम के करीब पहुंच रहे हैं, कड़ी मेहनत कर रहे हैं। गुजरात जायंट्स 25 फरवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। जबकि माइकल क्लिंगर मुख्य कोच हैं और मिताली राज मेंटर और सलाहकार हैं, भारत के सबसे प्रसिद्ध स्पिनरों में से एक नूशिन अल खादीर इस सीज़न में टीम के लिए बॉलिंग कोच हैं।

मुख्य कोच क्लिंगर ने कहा, यह डब्ल्यूपीएल का एक नया सत्र हैं, हम इस लेकर उत्साहित हैं। लेकिन हमें अपने प्रशंसकों के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी।

हमारे पास अपने खिलाड़ियों के लिए कुछ योजनाएं हैं, और सभी के लिए भूमिकाएं भी अच्छी तरह से परिभाषित हैं, हमें उम्मीद है कि खिलाड़ी हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ संस्करण बने। यहां देखने के लिए बहुत कुछ है, और टीम आगामी सीजन को लेकर उत्साहित है, और हैं, हम इस लेकर उत्साहित हैं। लेकिन हमें अपने प्रशंसकों के लिए अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हैं।

मिताली ने कहा, डब्ल्यूपीएल महिला क्रिकेट के लिए बड़ा मंच है, और टीम अपने शुरुआती गेम के लिए जो भी आवश्यक हो, टीम का समर्थन करने के मामले में जबरदस्त रही है।

हमारे पास एक अच्छी तरह से संतुलित टीम है जिसमें बहुत सारे युवा और वरिष्ठ खिलाड़ी हैं और साथ में, हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तत्पर रहते हैं।

जब आउट होने के बाद फिर से बल्लेबाजी करने उतरे रहाणे

मुंबई । असम और मुंबई के बीच चल रहे रणजी मैच के दौरान अजिंक्य रहाणे को उनके 16 साल के क्रिकेट करियर में पहली बार फील्डिंग में बाधा पहुंचाने के लिए आउट किया गया। हालांकि थोड़ी देर बाद असम की टीम के अपील के वापस लेने पर रहाणे ने फिर से बल्लेबाजी शुरु की।एक समय पर मुंबई की टीम चार विकेट के नुकसान पर 102 रन बनाकर खेल रही थी और रहाणे का निजी स्कोर 18 रनों का था। इसके बाद उन्होंने एक गेंद को मिड ऑन की तरफ ड्राइव करते हुए सिंगल लेने का प्रयास किया, लेकिन उनके पार्टनर शिवम दुबे ने मना कर दिया। रहाणे काफी आगे आ चुके थे और असम के कप्तान डेनिश दास ने गेंद को उठा कर कीपर की तरफ थ्रो कर दी। लेकिन रहाणे को जाकर लग गई, जो क्रीज में वापस आने का प्रयास कर रहे थे। इसके बाद असम के सभी खिलाड़ियों ने फील्डिंग में बाधा पहुंचाने के लिए आउट की अपील की और फील्ड अंपायर के द्वारा अपील को स्वीकार भी कर लिया गया। इस फैसले के ठीक बाद अंपायर ने टी ब्रेक की भी घोषणा कर दी। असम के पहली पारी में 84 रनों के जवाब में मुंबई के पांच बल्लेबाज मात्र 105 रन पर ही आउट हो चुके थे। हालांकि असम ने टी ब्रेक के दौरान अपील वापस लेने का फैसला लेकर अंपायरों को बता दिया। नियमों के अनुसार अगली गेंद फेंकने से पहले आउट करने की अपील को वापस लेना पड़ता है और बल्लेबाज तब ही फिर से बल्लेबाजी करने वापस आ सकते हैं, जब अंपायर इस स्वीकार कर लें। फलस्वरूप 20 मिनट के बाद रहाणे मैदान पर बल्लेबाजी करने आए। हालांकि रहाणे जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और मात्र चार रन जोड़कर 22 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। रहाणे जब बल्लेबाजी करने आए थे, तब मुंबई की टीम 60 के स्कोर पर चार विकेट गंवा कर खेल रही थी। इसके बाद रहाणे ने शिवम दुबे के साथ मिलकर एक अर्धशतकीय साझेदारी की।

सुप्रीम कोर्ट ने किया कमाल, हटेगा बॉन्ड का मायाजाल

चुनावी बॉन्ड राजनीतिक दलों को दान करने का एक नया वीत्तीय साधन था जिसका जिक्र 2017 18 के बजट में पहली बार आया और चुनावी बॉन्ड योजना, 2018 के अनुसार, चुनावी बॉन्ड प्रतिज्ञायुक्त पत्र की जारी कीया गया यह एक बोंड है, जो एक कड़ी से जुड़ता वाहक दस्तावेज होगा। जो खरीददार या वाहक का नाम जाहिर नहीं करता हे और सरल भासा में इसकी कोई जानकारी साजा न करके जो राजनीतिक दलों के नाम से उसे रजिस्टर करते हे पैसा वहा पहुंच जाता है। यानी की राजनीतिक दल उसका मालिक बन जाता है। यह तरीका इस सरकार ने कोई भी डोनर का नाम साजा न हो और डोनर की माहिती गुप्त रख सके इसलिए बनाया था।

इस योजना को 2 जनवरी 2018 को अधिसूचित किया गया था और इस योजना में कोई भी व्यक्ति जो भारत का नागरिक हो उसको अपने मनपसंद राजनीतिक दल को दान देने का प्रावधान है। इससे सिर्फ दान नहीं लेकिन पूरी तरह से गुप्त दान देने का प्रावधान किया गया था। इतना ही नहीं बल्कि इसको भारत के अंदर की कोई भी संस्था कंपनी और निजी व्यक्ति भी खरीद सकता है। यानी कि दान दे सकता है लेकिन बीच में बॉन्ड होने के कारण यह सभी माहिती गुप्त रहती है। यह बॉन्ड हजार के गुणक में खरीदे जा सकते हैं लेकिन आपको चौंकाने वाली माहिती यह दे दे की यह बॉन्ड हजार के गुणक में नहीं लेकिन करोड़ों के गुणांक में खरीदे जा रहे थे और राजनीतिक पार्टी को इसका फायदा मिल रहा था नौबत ऐसी आ गई है की सत्ताधारी पक्ष को तो कई गुना ज्यादा फायदा मिल रहा है। अगर हम पहले की बात करें तो इनकम टैक्स के हिसाब से भी और कानून के हिसाब से हमें कोई भी पक्ष को दान करना हो तो उसकी डिटेल जाहिर करनी पड़ती थी और यह डिटेल ऑडिट रिपोर्ट में भी रखनी पड़ती थी। साथ में सभी दलों को भी यह माहिती चुनाव आयोग को देनी पड़ती थी अभी यह नीति के कारण सिर्फ और सिर्फ आंकड़े ही आ रहे थे सिर्फ उसका ही ऑडिट हो रहा था।

अब हम यह भी समझ रहे हैं और समझ लेते हैं कि किसको इतनी खुजली होती होगी जो आंख बंद करके करोड़ों रुपए पानी की तरह कोई राजनीतिक दल को दे रहे हैं। तो उसका जवाब यह है की यह पैसे लोगों को या कंपनियों को इनकम टैक्स से भी बेनिफिट दिलवाते हैं। राजनीतिक पार्टियों को दिए गए दान इनकम टैक्स में बाद मिल रहे हैं। यानी की अगर हम राजनीतिक पार्टी में कोई एक भी कंपनी का एक करोड़ का दान लेंगे तो वह उसे कंपनी को इनकम टैक्स भरने से मुक्ति दिलाएगी यानी की जो पैसा देश की तिजोरी में जमा होने चाहिए वह पक्ष की तिजोरी में जमा हो रहे हैं। और सामने राजनीतिक दल और बड़ी-बड़ी कंपनियां मिलकर एक दूसरे को मलाईदार दावत दे रहे हैं ऐसा भारत के राजकरण में अभी साफ दिख रहा है। क्योंकि आप देखें तो यह साफ होता है की जो भी बड़े पद जो भी बड़े कॉन्ट्रैक्ट जो भी बड़े-बड़े कामकाज अभी तक जिस भी कंपनी ने लिए है या तो जो भी बड़े नियम इस देश में आम आदमी के ऊपर लागू किए गए जिसका सीधा-सीधा तालुक कोई कंपनी से जुड़ा हुआ होता है या कोई भी व्यक्तिगत फायदे से जुड़ा हुआ होता है। तो उसे कंपनी या व्यक्ति ने कहीं ना कहीं पीठ के पीछे यह कायदे लागू करने वाले यह नियम लागू करने वाले राजनीतिक दलों को दान दिया हुआ है यह पिछले रिकॉर्ड में साफ जाहिर होता है। अभी धीरे-धीरे लोगों को इसकी समझ भी आ रही थी कि यहां तो काम के बदले दान और दान के बदले काम की मांग हो रही है जो पूरी तरह से गैर संवैधानिक है।

आगे चलकर इसके बारे में जाने तो अगर कोई बॉन्ड खरीदने के बाद 15 दिनों में नगद नहीं किया जाए तो उसे बॉन्ड की राशि को प्रधानमंत्री राहत कोष में यह राशि जमा कर दी जाती थी। अभी तक ऐसे 144 बॉन्ड जो नगद नहीं हुए थे जिसकी रकम 20 करोड़ से भी ज्यादा थी उसको प्रधानमंत्री राहत कोर्स में ट्रांसफर कर दिया गया लेकिन जितने बॉन्ड आए उनमें से 99.69% नगद कर लिए गए यानी कि उसकी प्रक्रिया कर ली गई।

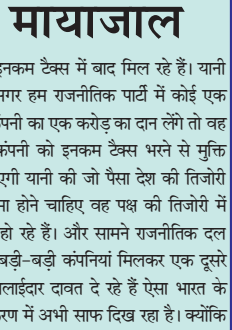

लेखक:
प्रतिक संघवी, राजकोट

मंगरोल तालुका के वकीलपारा गांव के ग्रामीण विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते हुए

सूरत। केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के मांगरोल तालुक के वकीलपारा गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ तैयार किया गया। जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और भारत को विकसित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा और योजना के लाभ के बारे में जानकारी दी गयी. साथ ही शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वितरित किया गया। साथ ही पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर पूर्व जिला सदस्य चंदूभाई, जलापूर्ति जितेंद्रभाई चौधरी, तलाटी कामरेड मंत्री अर्जुनभाई वसावा, स्वास्थ्य विभाग डॉ. रुतवाबेन इटालिया और डॉ. समीरभाई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूल शिक्षक सहित हजारों ग्रामीण और लाभार्थी थे।

भाठेना में खाड़ी पर पंचशील नगर झुग्गी बस्ती में डेमोलेशन

सुरत। शहर के लिंबायत के भाठे क्षेत्र में खाड़ी के किनारे स्थित झोपड़ियों को नगर निगम द्वारा आज बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। हालांकि, शुरुआती दौर में स्थानीय लोगों के उग्र विरोध के कारण पुलिस कर्मियों ने मामले को नियंत्रित कर लिया. शाम तक, खाड़ी में बॉक्स ड्रेन के संचालन में शामिल लिंबायत जोन के दबाव विभाग द्वारा लगभग 30 झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया गया था।

लिंबायत जोन क्षेत्र में शामिल टीपी स्कीम 7 (अंजना) में एफ. पी. नं. 184 से दर्ज भूमि पर स्थित पंचशील कॉलोनी में लिंबायत जोन द्वारा सुबह से ही तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। एक समय, इस स्थान से गुजरने वाली खाड़ी के बॉक्स ड्रेन ऑपरेशन के बाद खाली झोपड़ियों को तोड़ने के लिए पहुंचे लिंबायत जोन दबाव विभाग के कर्मचारियों को मालिकों ने घेर लिया। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी के कारण काफी मशक्कत के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि भाठेना से होकर गुजरने वाली खाड़ी की बॉक्स ड्रेनिंग की योजना महानगर पालिका द्वारा करोड़ों की लागत से की गई है. चशवार में खादी पुर में आई आपदा के बाद नगर निगम की ओर से इस कार्रवाई के तहत संपत्तियों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया गया है। जिसमें से पंचशील नगर की 30 झोपड़ियों को आज तोड़ दिया गया. आने वाले दिनों में इसी क्षेत्र की 60 झोपड़ियों को भी हटाया जाएगा।

सूरत जिले के सचिन क्षेत्र में संचालित धन्वंतरि आरोग्य रथ ने 5 वर्षों में 1,18,964 लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान किया

सूरत । ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज द्वारा संचालित धन्वंतरि आरोग्य रथ के 5 साल पूरे होने का जश्न धन्वंतरि आरोग्य रथ के कर्मचारियों द्वारा मनाया गया। मेडिकल ऑफिसर डॉ. स्नेहलबेन, पैरामेडिक मितलबेन, लैब तकनीशियन सुरेखाबेन, लेबर काउंसलर सरोजबेन और पायलट प्रशांतभाई और निर्माण स्थल पर काम करने वाले पर्यवेक्षकों और श्रमिकों के साथ केक काटकर 5 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया। सचिन क्षेत्र में संचालित धन्वंतरि आरोग्य रथ ने 5 वर्षों में 1,18,964 लोगों का मुफ्त इलाज किया है।

धन्वंतरि आरोग्य रथ श्रमिकों को कार्यस्थल पर नि:शुल्क स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान कर रहा है। जिले के सचिन क्षेत्र के धन्वंतरि आरोग्य रथ ने 5 वर्षों में सूरत शहर के सचिन, वेसू, भीमराड, ऊन, खजोद क्षेत्रों के निर्माण स्थलों का दौरा किया है, 1,18,964 नागरिकों, रोगियों को मुफ्त निदान और दवाएं दी गई हैं, और 33927 से अधिक लैब रिपोर्ट हो चुकी है।

धन्वंतरि आरोग्य रथ विभिन्न रोगों जैसे ब्लड रिपोर्ट, मधुमेह, रक्तचाप, कान, आंख, त्वचा, हड्डी संबंधी रोगों का निदान करता है और मौके पर ही दवाएं प्रदान करता है। साथ ही श्रमिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर मौके पर ही आभा-आईडी, ई-निर्माण कार्ड बनाया जाता है।

सूरत जिला सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर विजय रबारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

सूरत । सूरत जिला सड़क सुरक्षा परिषद की 34वीं बैठक रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर श्री विजय रबारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में अधिकारियों को आवारा जानवरों को पकड़ने के लिए कार्रवाई करने को कहा गया. राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क के दोनों ओर स्ट्रीट लाइट लगाने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने, ब्लैक स्पॉट डेटा की पुष्टि करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

अधिकारियों को नेशनल हाईवे 48 पर हाईवे स्थल पर होटल-रेस्टोरेंट द्वारा बनाये जा रहे दबाव को पुलिस व्यवस्था के साथ हटाने का निर्देश दिया गया। चूंकि मुलाद करेली रोड, करेली फुदसद रोड और मुलाद किमामाली रोड पर बुलेट ट्रेन का काम चल रहा है, इसलिए भारी वाहनों से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत पर चर्चा हुई।

सूरत आरटीओ ने जनवरी महीने में ओवर स्पीडिंग के 122 मामले रद्द किए और 47 लाइसेंस रद्द किए, जबकि जिला पुलिस ने गलत साइड ड्राइविंग के 22 मामले और ओवर स्पीडिंग के 430 मामले किए।

बैठक में आरटीओ, सड़क एवं भवन विभाग, राजमार्ग, स्वास्थ्य, जिला पुलिस, सूचना समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट "सथवारो राधेश्याम को" का भव्य आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा राधा-कृष्ण लीला पर आधारित कार्यक्रम "सथवारो राधेश्याम को" का भव्य आयोजन आज रविवार, 18 फरवरी को किया जायेगा। एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की वनवासी सेवार्थ इस कार्यक्रम का आयोजन शाम छ: बजे से पाल स्थित संजीव कुमार ऑडिटोरियम में किया जायेगा। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विष्णुकान्त पालीवाल एवं उमेश अग्रवाल तथा अतिथि विशेष के रूप में आलोक तायल, अजय अग्रवाल, नरेश सरावगी उपस्थित रहेंगे। ट्रस्ट के गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष रतनलाल दारुका एवं सूरत चैप्टर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया की राधारानी एवं श्रीकृष्ण लीला पर आधारित इस कार्यक्रम की शुरुआत मनमोहक नृत्य, संगीत और भगवान श्रीकृष्ण की श्रृंगार लीलाओं से सुसज्जित 40 से भी अधिक निष्णांत कलाकारों के अभिनय से होगी। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायकों, संगीत कलाकारों एवं शब्दों के शिल्पकारों द्वारा श्रीकृष्ण भक्ति को जिवंत प्रस्तुत किया जायेगा। ट्रस्ट के सचिव विश्वनाथ सिंघानिया ने बताया की कार्यक्रम का अत्यंत रोचक समापन श्रीनाथजी की जीवन्त झाँकी के अद्भुत दर्शनों द्वारा होगा।

ज्ञात रहे एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा वनवासी लोगों के उत्थान एवं उनको देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए पुरे भारत में संस्कार केंद्र, एकल रथ मंदिर, कथाकार प्रशिक्षण सहित अनेकों कार्य किये जाते है।

सैमसंग द्वारा गैलेक्सी A34 5G पर रोमांचक कैशबैक ऑफर: अब केवल 24499 पर उपलब्ध है

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी ए34 5जी स्मार्टफोन पर एक रोमांचक कैशबैक ऑफर की घोषणा की। गैलेक्सी A34 5G सैमसंग के सिग्नेचर गैलेक्सी डिज़ाइन और नाइटोग्राफी जैसी प्रमुख विशेषताओं के साथ एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करता है, जो उपभोक्ताओं को कम रोशनी की स्थिति में भी तेज तस्वीरें और वीडियो शूट करने में मदद करता है। वर्ग-अग्रणी IP67 रेटिंग, गोरिल्ला ग्लास 5 सुरक्षा, 4 Android OS अपग्रेड और 5 सुरक्षा अपडेट के साथ, गैलेक्सी A34 5G को एक चिंता मुक्त उपभोक्ता अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्पेशल ऑफर के तौर पर ग्राहक अब रु. Galaxy A34 5G को 3000 रुपये के इंस्टेंट डिस्काउंट के साथ खरीदा जा सकता है। 8GB + 128GB वेरिएंट की बेस कीमत 27499 रुपये से शुरू होने के साथ, ग्राहक अब गैलेक्सी A34 5G को सिर्फ 24499 रुपये में और 8GB + 256GB वेरिएंट को सिर्फ 26499 रुपये में खरीद सकते हैं।

गैलेक्सीA34 5G में फ्लोटिंग कैमरा सेटअप के साथ-साथ मेटल कैमरा डेको भी है, जो डिवाइस के रंग से मेल खाता है। यह चार ट्रेंडी रंगों- बैंगनी, नींबू, सिल्वर और ग्रेफ़ाइट में उपलब्ध है। टिकाऊ होने के लिए निर्मित, गैलेक्सी A34 5G में IP67 रेटिंग के साथ स्पिल और स्पलैश प्रतिरोध की सुविधा है, जिसका अर्थ है कि यह 1 मीटर ताजे पानी में 30 मिनट तक जीवित रह सकता है। साथ ही, स्मार्टफोन बेहतर स्क्रैच और ड्रॉप प्रोटेक्शन के लिए, कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 प्रोटेक्शन के साथ आता है। गैलेक्सी IP67 पर अनुकूलन योग्य डिस्प्ले में वास्तविक रंगों और 120H5 ताज़ा दर के साथ सुपर AMOLED तकनीक है, जो तेज गति में भी दृश्य-दर-दृश्य संक्रमण को सुचारू बनाने की सुविधा प्रदान करती है।

गैलेक्सीA34 5G 48MP OIS प्राइमरी लेंस, 8MP अल्ट्रा-वाइड लेंस और 5MP मैक्रो लेंस के साथ आता है। गैलेक्सीA34 5G में मल्टीपल कैमरा AI भी है, जिसकी विशेषताओं में ऑब्जेक्ट इरेज़र, इमेज रीमास्टर और इमेज क्लिपर शामिल हैं। ऑब्जेक्ट इरेज़र छवियों से अवांछित वस्तुओं, छायाओं और प्रतिबिंबों को हटा देता है। इमेज रीमास्टर तस्वीरें अपने नए इमेज प्रोसेसिंग इंजन की बदौलत बेहतर दिखती हैं, और इमेज क्लिपर उपयोगकर्ताओं को अन्यत्र उपयोग के लिए अपने फोटो विषयों के कट-आउट बनाने की सुविधा देता है।

गैलेक्सी A34 5G सैमसंग के डिफेंस-ग्रेड सुरक्षा प्लेटफॉर्म नॉक्स के साथ आता है, जो वास्तविक समय में उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करता है। इसके अलावा, गैलेक्सी ए34 उपभोक्ताओं को कई सार्थक अनुभवात्मक सुविधाएँ प्रदान करता है जो उनके जीवन को समृद्ध बनाती हैं। अद्वितीय वॉयस फोकस सुविधा उपयोगकर्ताओं को लोकप्रिय थर्ड पार्टी ऐप्स के साथ भी स्पष्ट वॉयस और वीडियो कॉल का आनंद लेने में सक्षम बनाती है। गैलेक्सी ए34 5जी सैमसंग वॉलेट के साथ आता है, जो ग्राहकों को अपने क्रेडिट कार्ड के साथ टैप एंड पे सुविधा का उपयोग करने और निर्बाध यूपीआई भुगतान का अनुभव करने की अनुमति देता है। उपभोक्ता सैमसंग वॉलेट के साथ अपनी डिजिटल आईडी, जैसे पेन, ड्राइविंग लाइसेंस, वैक्सीन सर्टिफिकेट और कई अन्य सुविधाओं तक सुरक्षित रूप से पहुंच सकते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक विस्तृत इलेक्ट्रिफ़िकेशन में तेजी लाया, #एंडआइसएज के लिए अपने एस1 पोर्टफोलियो की कीमतें 25,000 रुपये तक घटाईं

भारत में इलेक्ट्रिफ़िकेशन को प्रोत्साहन देने और ईवी अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने की ओर सबसे बड़ा कदम उठाते हुए भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 स्कूटर पोर्टफोलियो की कीमतें 25,000 रुपये तक कम कर दी हैं। कंपनी ने यह घोषणा अपनी मजबूत लागत संरचना, वर्टिकली इंटीग्रेटेड इन-हाउस टेक्नोलॉजी एवं मैनुफ़ैक्चरिंग क्षमताओं तथा प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव के आधार पर की।

ओला एस1 स्कूटर अपने मजबूत एवं प्रतिस्पर्धी कीमत वाले उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ पारंपरिक पेट्रोल स्कूटरों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, और प्रति वर्ष 30,000 रुपये तक की बचत के साथ स्कूटर बाजार में सबसे बेहतर विकल्प बन गए हैं। इनकी ये कीमतें केवल फरवरी महीने के लिए लागू होंगी।

ओला के प्रवक्ता, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, "ओला में, हम ईवी अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करके और ईवी को किफायती और सुलभ बनाते हुए #एंडआइसएज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश में ईवी अपनाने का प्रोत्साहन देने के अपने मिशन के अंतर्गत हम अपना एस 1 पोर्टफोलियो बहुत आकर्षक मूल्य में पेश कर रहे हैं। हम अपनी मजबूत वर्टिकली इंटीग्रेटेड इन-हाउस टेक्नोलॉजी एवं मैनुफ़ैक्चरिंग क्षमताओं की मदद से कीमतों को कम करने में सफल हुए, जिसका लाभ हमने अपने ग्राहकों को देने का निर्णय लिया है। अब जब इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमतें मुख्य पेट्रोल स्कूटरों के बराबर हो गई हैं, तो हमें विश्वास है कि ग्राहकों के पास पेट्रोल स्कूटर खरीदने का कोई कारण नहीं बचा है।"

ओला इलेक्ट्रिक को हाल ही में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के अंतर्गत डोमेस्टिक वैल्यू एडिशन (डीवीए) इंसेंटिव दिया गया। ओला इलेक्ट्रिक यह सर्टिफिकेशन पाने वाली भारत की पहली टू-व्हीलर कंपनी है। पीएलआई सर्टिफिकेशन कंपनियों की वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैनुफ़ैक्चरिंग क्षमताओं और मजबूत लोकलाइज्ड सप्लाई चेन इकोसिस्टम को प्रमाणित करता है। सरकारी सब्सिडी ने कंपनी को अपनी लागत में सुधार करने में मदद की, जिससे एस 1 पोर्टफोलियो में स्कूटरों की कीमतें कम होकर वो अधिक किफायती और सुलभ बन सके।

ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में ईवी अपनाने में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए उत्पाद, सेवा, चार्जिंग नेटवर्क और बैटरी वॉरंटी में अनेक पहलों की घोषणा की है। एस1 एक्स (4 किलोवॉट घंटा) के लॉन्च के साथ, ओला इलेक्ट्रिक के पोर्टफोलियो में छह सर्वश्रेष्ठ वाहन शामिल हो गए हैं, जो विभिन्न कीमतों और विभिन्न रेंज की जरूरतों को पूरा करते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)